

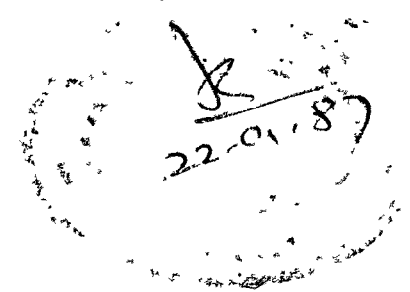


भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY



सं० 149]

नई दिल्ली, मंगलवार, जुलाई 14, 1987/आषाढ़ 23, 1909

No. 149]

NEW DELHI, TUESDAY, JULY 14, 1987/ASADHA 23, 1909

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

- Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as
a separate compilation

वाणिज्य मंत्रालय

आयात व्यापार नियंत्रण

सार्वजनिक सूचना सं. 199 आई.टी.सी. (पी. एन.)/85-88

नई दिल्ली, 14 जुलाई, 1987

विषय :—जापान की विदेशी आर्थिक सहयोग निधि (ओ. ई. सी. एफ.) द्वारा विस्तारित आसाम गैस टरबाइन पावर स्टेशन और नीपको की ट्रांसमिशन लाइन कंस्ट्रक्शन परियोजना के कार्यान्वयन के लिए 30 येन विलियन के येन क्रेडिट के अधीन उपस्कर और सेवाओं के आयात के संबंध में लाइसेंसिंग शर्तें।

फाइल सं. आई. पी. सी./23 (33)/85-88 —
जापान की विदेशी आर्थिक सहयोग निधि (ओ. ई. सी. एफ.) द्वारा विस्तारित आसाम गैस टरबाइन पावर स्टेशन

और नीपको की ट्रांसमिशन लाइन कंस्ट्रक्शन परियोजना के कार्यान्वयन के लिए 30 येन विलियन के येन क्रेडिट के अधीन आयात को शासित करने वाली शर्तें जो इस सार्वजनिक सूचना के परिशिष्ट में दी गई हैं, सूचना के लिए अधिसूचित की जाती हैं।

ह./—

(राजीव लोचन मिश्र)

मुख्य नियंत्रक, आयात निर्यात

एस. पी. धूपर,

उप मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात

वाणिज्य मंत्रालय की सार्वजनिक सूचना सं. 199आई. टी. सी. (पी. एन.)/85-88, दिनांक 14 जुलाई, 1987 का परिशिष्ट

जापान की विदेशी आर्थिक सहयोग निधि (ओ. ई. सी. एफ.) द्वारा प्रदान किए गए आसाम गैस टरबाइन पावर स्टेशन और नीपको की ट्रांसमिशन लाइन कंस्ट्रक्शन परि-

योजना के कार्यान्वयन के लिए 30 येन बिलियन के येन क्रेडिट के अधीन उपस्कर और सेवाओं के आयात के संबंध में लाइसेंसिंग शर्तें।

खण्ड—1 सामान्य शर्तें :—

1. (1) आसाम गैस टरबाइन पावर स्टेशन और नीपको के ट्रान्मिशन लाइन कन्स्ट्रक्शन परियोजना की आयात आवश्यकताओं का विनियोग करने के लिए जापान की विदेशी आर्थिक सहयोग निधि (ओ. ई. सी. एफ.) द्वारा दिया गया 30 बिलियन येन का येन क्रेडिट जापान और भारत सहित विकासशील देशों के लिए खुला है। तदनुसार, इस क्रेडिट के अधीन अधिप्राप्त की जाने वाले माल और सेवाएं जापान और अनुबंध—1 की सूची में उद्धृत (भारत सहित) सभी देशों से आयात की जा सकती हैं। ये देश इस ऋण के अंतर्गत पात्र स्रोत देश होंगे।

1. (2) क्रेडिट के अधीन केवल उन्हीं मर्चों और उसी मूल्य के लिए लाइसेंस जारी किए जा सकते हैं जिनके लिए महानिदेशालय, तकनीकी विकास/पूँजीगत माल समिति द्वारा विशेष रूप से निकासी कर दी गई हो। इस क्रेडिट के अधीन जारी किए गए आयात लाइसेंस (सों) येन का मूल्य 33.0 बिलियन (लागत-बीमा-भाड़ा) येन से अधिक नहीं होना चाहिए।

आयात लाइसेंस का रूप में मूल्य, राजस्व विभाग (सीमाशुल्क) द्वारा अधिमूर्चित विनिमय दर और आयात लाइसेंस जारी करने की तिथि को प्रचलित दर और मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात द्वारा जारी की गई सार्वजनिक सूचना सं. 78—आई. टी. सी. (पी. एन.)/74, दिनांक 6 जून, 1974 के पैरा—2 के अनुसार आयात लाइसेंस में सैकेलिक दर पर निर्धारित किया जाएगा, जिसमें यह उल्लेख है कि सीमाशुल्क प्राधिकारी और विदेशी मुद्रा के प्राधिकृत व्यापारी आयात लाइसेंस (सों) में विनिर्दिष्ट मुद्रा विनिमय दर पर लाइसेंस मूल्य के नामे डालेगा। लाइसेंस पर एक शीर्षक "जापानी येन ऋण सं. आई. डी. पी.—42" होगा। प्रथम और द्वितीय प्रत्यय के लिए लाइसेंस में "एस/जिपी" कोड़ होगा। नीपको को आयात लाइसेंस भेजते समय मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात के पत्र में भी इसे दुहराया जाएगा, जिसकी एक प्रति वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग (जापान अनुभाग) में पृष्ठांकित की जानी चाहिए।

1. (3) लागत बीमा भाड़ा के आधार पर केवल नीपको के नाम में आयात लाइसेंस जारी किया जा सकता है।

1. (4) आयात की सुविधा पर निर्भर करते हुए एक से अधिक आयात लाइसेंस इस क्रेडिट के अधीन जारी किए जा सकते हैं। लेकिन, कुल मूल्य येन 33.0 बिलियन (लागत-बीमा-भाड़ा) येन से अधिक नहीं होना चाहिए जैसा कि ऊपर पैरा (2) में बताया गया है।

1. (5) आयात लाइसेंस की वैधता में वृद्धि आयातक द्वारा आवेदन करने पर 12 महीनों की और आगे की अवधि

तक दी जा सकती है। आगे और वृद्धि करने के लिए नया आयात लाइसेंस जारी करने के लिए यदि कोई आवेदन हो तो उसे आर्थिक कार्य विभाग (जापान अनुभाग) को भेजा जाना चाहिए।

1. (6) क्रेडिट के अधीन वित्तदान किए जाने वाले आयात/आयात लाइसेंस प्राधिकारी द्वारा विधिवत् सत्यापित संलग्न माल और सेवाओं की सूची तक प्रतिबंध है।

1. (7) विदेशी मुद्रा के किसी भी परेषण की अनुमति आयात लाइसेंस के प्रति नहीं दी जाएगी। भारतीय अभिकर्ता के कमीशन के प्रति कोई भी भुगतान भारतीय अधिकर्ता को भारतीय रूप में किया जाना चाहिए। लेकिन, ऐसे भुगतान लाइसेंस मूल्य के ही भाग होंगे और लाइसेंस पर ही प्रभावित किए जाएंगे।

1. (8) पक्के आदेश अनुबंध—1 में उल्लिखित देशों में स्थित विदेशी संभरकों, को जहाज पर निःशुल्क लागत और भाड़ा के आधार पर दिए जाने चाहिए और वे आयात लाइसेंस जारी होने की तिथि से 4 महीनों की अवधि के भीतर आर्थिक कार्य विभाग (जापान अनुभाग) को भेज दिए जाने चाहिए। भाड़ा-बीमा प्रभार का भुगतान भारतीय रूप में भारत में देय होगा। "पक्के आदेशों" का अर्थ विदेशी संभरकों को भारतीय लाइसेंसधारी द्वारा दिए गए उन क्रय आदेशों से है जो विदेशी संभरक द्वारा विधिवत् हस्ताक्षरित हों या भारतीय आयातक और विदेशी संभरक द्वारा विधिवत् हस्ताक्षरित क्रय सविदा हो। विदेशी संभरक के भारतीय अभिकर्ताओं के आदेश या ऐसे भारतीय अभिकर्ताओं द्वारा पुष्टि-करण आदेश स्वीकार्य नहीं है।

1. (9) चार महीनों की अवधि के भीतर ठेकों की इस शर्त का तब तक अनुपालन किया गया नहीं समझा जाएगा जब तक कि ठेके के पूर्ण दस्तावेज आयात लाइसेंस जारी होने की तिथि से चार महीने के भीतर वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग, डब्ल्यू ई—1 अनुभाग को नहीं पहुंच जाते हैं। यदि उपर्युक्त पैरा 1—(8) में यथाउल्लिखित पक्के आदेश चार महीनों के भीतर वैध कारणों से जहां दिए जा सकते हैं तो चार महीनों के भीतर आदेश क्यों नहीं दिए जा सकते इन कारणों का उल्लेख करते हुए लाइसेंसधारी को आयात लाइसेंस को संबद्ध लाइसेंस प्राधिकारी को प्रस्तुत कर देना चाहिए। आदेश देने की अवधि में वृद्धि के लिए ऐसे आवेदनों पर लाइसेंस प्राधिकारियों द्वारा पात्रता के आधार पर विचार किया जाएगा। वे अधिक से अधिक चार महीनों की और अवधि के लिए वृद्धि प्रदान कर सकते हैं। लेकिन यदि वृद्धि इस लाइसेंस के जारी होने की तिथि से 8 महीनों से अधिक के लिए मांगी जाती है तो ऐसे प्रस्ताव निरपवाद रूप से लाइसेंस प्राधिकारियों द्वारा वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग (जापान अनुभाग), नार्थ ब्लॉक, नई दिल्ली को भेजे जाएंगे जो कि ऐसी वृद्धि के लिए प्रत्येक मामले की पात्रता के आधार पर विचार करेंगे और अपना निर्णय लाइसेंस प्राधिकारियों को भेजेंगे। जिसको वे लाइसेंसधारी को प्रेषित करेंगे।

लाइसेंसधारी द्वारा लाइसेंस प्राधिकारियों से केवल ऐसी वृद्धि प्रदान करने वाला एक पत्र प्रस्तुत करने पर ही प्राधिकृत व्यापारी और विभागीय पदाधिकारी आयात लाइसेंस के अधीन किए गए संभरक ठेकों में बैंक गारंटी साखपत्र स्थापित करने के लिए प्राधिकार पत्र तुल्य रूपया जमा कराने आदि की स्वीकृति की सुविधाओं की अनुमति देंगे।

1. (10) आयात लाइसेंस की समाप्ति के चार महीने के भीतर सभी भुगतान अवश्य पूर्ण कर देने चाहिए। माल के पोतलदान पर अलग-अलग भुगतानों की व्यवस्था होनी चाहिए। ठेके में नकद आधार पर अर्थात् पोतलदान दस्तावेजों के प्रस्तुत करने पर भुगतान की व्यवस्था होनी चाहिए। विदेशी संभरक से भारतीय आयातक को किसी भी किस्म की ऋण सुविधा उपलब्ध करने की अनुमति नहीं दी जायेगी। माल के वितरण की अवधि के लिए ठेके में निम्नलिखित व्यवस्था होनी चाहिए:—

“साख-पत्र की प्राप्ति के बाद—महीने परन्तु अधिक में अधिक—के अंत तक पूर्ण किया जाता है।”

पोतलदान के लिए आखिरी तिथि निश्चित करने में इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि वह तिथि 31-12-1991 के बाद की न हो।

खण्ड-2 संभरण ठेके का समझौता करते समय ध्यान में रखी जाने वाली विशेष बातें:—

2. (1) ठेके का जहाज पर्यन्त निशुल्क मूल्य येन में (येन को बिना के बिना) अभिव्यक्त होना चाहिए और इसमें भारतीय अभिकर्ता का कमोशन यदि कोई हो तो वह शामिल नहीं होना चाहिए जो कि भारतीय रुपये में चुकाना चाहिए।

भारतीय रुपये या किसी अन्य मुद्रा में ठेके का मूल्य किसी भी परिस्थिति में अभिव्यक्त नहीं होना चाहिए। फच आदेश और संभरक द्वारा पुष्टिकरण आदेश केवल अंग्रेजी में होना चाहिए।

2. (2) ऋण की रकम से वित्त पोषित किए जाने वाले सभी माल और स्रोत ऋण के अंतर्गत अधिप्राप्ति के लिए मार्ग दर्शन बिन्दुओं के अनुसार निम्नलिखित सम्पूरक शर्तों के साथ किए जाएंगे:—

(क) कम से कम 300 मिलियन येन के अनुमानित मूल्य के माल और सेवाओं स्रोतों की अधिप्राप्ति के मामले में:—

(1) यदि पूर्वाहर्ता सहित औपचारिक खुली अन्तर्राष्ट्रीय निविदा से भिन्न अधिप्राप्ति की प्रक्रिया का विकल्प लिया जाता है तो उसकी पद्धति के अनुमोदन के लिए ओ. ई. सी. एफ. को आवेदन पत्र प्रस्तुत करके उससे पूर्व अनुमोदन प्राप्त किया जाएगा।

(2) सफल बोलीकार को निर्णय का नोटिस जारी करने से पहले बोली मूल्यांकन रिपोर्ट सहित निर्णय के अनुमोदन के लिए आवेदन पत्र ओ. ई. सी. एफ. को प्रस्तुत किया जाएगा। निर्णय और बोली मूल्यांकन के अनुमोदन के लिए उपर्युक्त आवेदन पत्र के साथ-साथ पूर्व अर्हता की मूल्यांकन रिपोर्ट, बोलीकार को दिए गए नोटिस और अनुदेश, बोली प्रपत्र, प्रस्तावित ठेका विशिष्टिकरण और ड्राइंग और बोली से संबंधित अन्य दस्तावेज ओ. ई. सी. एफ. को भी पुनरीक्षा के लिए प्रस्तुत किए जाएंगे।

(ख) 300 मिलियन येन से कम अनुमानित मूल्य के माल और सेवाओं की अधिप्राप्ति के मामले में ठेके के निर्णय के लिए ओ. ई. सी. एफ. के पूर्व अनुमोदन की इस शर्त पर आवश्यकता नहीं है कि निविदा को खेपें उचित रूप से विभाजित की गई हों। लेकिन यदि ओ. ई. सी. एफ. अनुरोध करे तो निविदा मूल्यांकन रिपोर्ट आदि उसकी पुनरीक्षा के लिए प्रस्तुत की जाएगी।

(ग) जब परामर्शदायी फर्मों की नियुक्ति की जाए तो ऐसी फर्में निम्नलिखित सभी शर्तों को पूरा करेंगी।

(1) दिए गए शेषों का मुख्य भाग पात्र स्रोत देशों के नागरिकों के होने चाहिए।

(2) पूर्णकालिक निदेशकों में से अधिकतर पात्र स्रोत देशों के नागरिक होने चाहिए।

(3) ऐसी फर्में पात्र स्रोत देशों में शामिल होने चाहिए और पंजीकृत होनी चाहिए।

(घ) परामर्शदाताओं की नियुक्ति के लिए निम्नलिखित दस्तावेजों के लिए ओ. ई. सी. एफ. का पूर्व अनुमोदन भी प्राप्त कर लेना चाहिए—

(1) संदर्भ की शर्तें

(2) परामर्शदाताओं की संक्षिप्त सूची

(3) ग्रामंत्रण-पत्र

(4) संक्षेप मूल्यांकन शीट सहित मूल्यांकन रिपोर्ट ड्राफ्ट संविदा

(5) ड्राफ्ट संविदा

(ङ) निम्नलिखित घोषणा जो परामर्शदाता की पात्रता के बारे में है, परामर्शदाता द्वारा हस्ताक्षरित किया हुआ और तारीख अंकित किया हुआ प्रत्येक संविदा के साथ लगाया जाएगा:—

“मैं अधोहस्ताक्षरी, एतद्वारा यह प्रमाणित करता हूँ कि ————— (फर्म) का नाम ————— (संबंधित पात्र स्रोत देश का नाम) में शामिल की गई है और

पंजीकृत है, और वह —————
 संबंधित पात्र स्रोत देश का नाम) के राष्ट्रियों
 द्वारा रखे गए समर्थित शेषों की —————
 ————— प्रतिशत) (%) की पात्र परा-
 मर्शवाधी फर्म है और वह (संबंधित पात्र स्रोत
 देशों का नाम) के राष्ट्रिक होने के नाते पूर्ण-
 कालिक निवेशकों का ————— प्रतिशत
 (%) है।

(च) आयातक उपयुक्त (क) (1), (क) (2) और (ख)
 और (घ) में उल्लिखित आवेदन पत्र/दस्तावेज आर्थिक
 कार्य विभाग को दो प्रतियों में प्रस्तुत करेगा जो उसके द्वारा
 ओ. ई. सी. एफ. को भेजे जाएंगे।

2(3) विदेशी संभरक भुगतान, उसके नाम में भारतीय
 टोकियो द्वारा 1985-86 के लिए ओ ई सी एफ येन
 क्रेडिट (परियोजना सहायता) संघ आई. डी. पी. 42 के अधीन
 अधीन खोले गए अपरिवर्तनीय साख्यपत्र के माध्यम से
 किया जाना चाहिए। जिसका ध्योरा नीचे खण्ड-7 में दिया
 गया है।

2(4) आयात लाइसेंस के प्रति केवल एक ही संविदा
 की जानी चाहिए। लेकिन कुछ विशेष मामलों में एक से
 संविदा करने की अनुमति भी दी जा सकती है जिसके लिए
 आयात लाइसेंस जारी होने की तिथि के तुरन्त बाद वित्त
 मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग (जापान अनुभाग) से अनुमोदन
 प्राप्त कर लेना चाहिए।

2(5) संभरक की पात्रता

संभरक पात्र स्रोत देशों के राष्ट्रियों होने या पात्र स्रोत
 देशों में शामिल किए गए तथा पंजीकृत किए गए पात्र
 स्रोत देशों के राष्ट्रियों द्वारा शासित बैंध व्यक्ति
 होने।

2(6) अपात्र स्रोत देशों से अनुमेय आयात

जिन वस्तुओं में अपात्र स्रोत देशों में बनी हुई सामग्री
 निहित है उसका वित्तदान किया जा सकता है बशर्ते कि
 निम्नलिखित सूत्र के अनुसार ऐसे उत्पाद प्रति एकक का मूल्य
 मंदवार आधार पर आयातित का 30 प्रतिशत से कम हो :—

आयातित लागत बीमा भाड़ा + आयात शुल्क $\times 100$
 संभरक का जहाज पर निशुल्क मूल्य

(भारतीय संभरक के मामले में, कारखाना मूल्य
 अपनाया जाएगा)

2(7) संविदा में घोषणा

प्रत्येक संविदा में संभरक द्वारा माल एवं संभरक पात्रता
 और संभरक के हस्ताक्षर और तारीख से निम्नलिखित घोषणा
 जोड़ी जाएगी:—

"मैं अधोहस्ताक्षरी एतद्वारा प्रमाणित करता हूँ कि संभरित
 किया जाने वाला ————— संबंधित पात्र स्रोत देश का नाम)
 में उत्पादित हैं।

"मैं, अधोहस्ताक्षरी आगे यह प्रमाणित करता हूँ कि
 मेरी पूरी जानकारी और विश्वास के अनुसार अपात्र स्रोत
 देशों से आयातित भाग निम्नलिखित सूत्र के अनुसार 30
 प्रतिशत से कम है।

आयातित लागत बीमा भाड़ा मूल्य + आयात मूल्य $\times 100$
 संभरक का जहाज पर निशुल्क मूल्य (जहां
 कारखाना मूल्य लागू हो।

"मैं अधोहस्ताक्षरी एतद्वारा स्थापित करता हूँ कि
 (पात्र स्रोत देश का नाम) मैं.....
 (कम्पनी का नाम) समाविष्ट और पंजीकृत हो चुकी है
 और पात्र स्रोत देशों के राष्ट्रियों द्वारा नियंत्रित है।"

खण्ड-3 संभरण ठेकों में समाविष्ट की जाने वाली शर्तें

3(1) संभरण ठेकों में निम्नलिखित प्रावधान विशेष
 रूप से समाविष्ट होने चाहिए।

(क) ठेके की व्यवस्था भारत सरकार और जापान
 की विदेशी आर्थिक सहयोग निधि (ओ ई सी एफ)
 के बीच आसाम गैस टरबाइन पावर स्टेशन
 और ट्रांसमिशन लाइन कंस्ट्रक्शन परियोजना के लिए
 येन क्रेडिट सं. आई. डी. पी. —42 (परि-
 योजना सहायता) से संबंधित 18 मार्च, 1987
 को हुए ऋण समझौते के अनुसार होनी चाहिए
 और यह भारत सरकार और विदेशी आर्थिक
 सहयोग निधि के अनुमोदन के अधीन होगा।

(ख) संभरणों को भुगतान, भारत सरकार और जापानी
 विदेशी आर्थिक सहयोग निधि (ओ. ई. सी. एफ.)
 के बीच येन क्रेडिट सं. आई. डी. पी. —42
 से संबंधित 18 मार्च, 1987 को हुए ऋण समझौते
 के अंतर्गत बैंक आफ इंडिया टोकियो द्वारा जारी
 किए जाने वाले अपरिवर्तनीय साख्यपत्र के माध्यम
 से किए जाएंगे।

(ग) संभरक ऐसी सूचना और दस्तावेजों को प्रस्तुत
 करने के लिए सहमत होगा जो एक ओर भारत
 सरकार द्वारा और दूसरी ओर ओ ई सी एफ द्वारा
 येन ऋण के अधीन अपेक्षित हों।

(घ) 2(7) में उल्लिखित प्रपत्र में प्रमाणपत्र (तीन प्रतियों
 में)

(ङ) यदि किसी मामले में संभरक जापान में स्थित हो तो
 संभरण संविदा के संबंध में एक धारा होनी चाहिए
 कि जापानी संभरक भारतीय दूतावास, टोकियो
 के परामर्श पर पीत परिवहन व्यवस्था करने के लिए
 सहमत है और इस उद्देश्य के लिए वह भार-
 तीय दूतावास, टोकियो को शामिल माल की सुपूर्वगी के
 कार्य कम से अवगत कराएगा और पीतलदान से कम से
 कम 6 सप्ताह पूर्व भारतीय दूतावास को सूचना देगा
 जिससे कि उचित व्यवस्था हो सके विशेष मामलों

में, जहाँ भारतीय आयातक इच्छुक हों, सूचना की इस अवधि को कम किया जा सकता है। जापानी संभरकों को प्रत्येक पोतलदान के पश्चात् आवश्यक व्यौरे देते हुए तार से सूचना भेजने के लिए सहमत होना चाहिए और उसकी एक प्रति भारतीय दूतावास, टोकियो को भेजी जानी चाहिए।

खण्ड-4 ओ. ई. सी. एफ. द्वारा ठेके की पुनरीक्षा

4(1) लाइसेंसधारी को पक्के आदेश देने के लिए निर्धारित अवधि के भीतर आयातक और विदेशी संभरकों दोनों द्वारा विधिवत हस्ताक्षरित ठेके की चार प्रतियां जो विदेशी संभरकों द्वारा लिखित में पुष्टि आदेश के साथ हों या उनकी हर प्रकार से पूर्ण फोटो प्रतियां संगत वैध आयात लाइसेंस की दो फोटों प्रतियां सहित और परिशिष्ट-2 के प्रपत्र में "प्राधिकार पत्र" जारी करने के लिए आवेदन की प्रतियां आर्थिक कार्य विभाग को भेजनी चाहिए।

4(2) उपर्युक्त क्रियाविधि सभी ठेकों के लिए और ठेकों की विषय वस्तु के लिए अनिवार्य आशोधनों के कारण संशोधनों या उनकी कीमतों पर भी लागू होंगी।

4(3) वित्त मंत्रालय (आर्थिक कार्य विभाग) ठेके की एक प्रति के साथ ठेके के निर्णय का नोटिस ओ ई सी एफ की पुनरीक्षा के लिए भेजेगा। ठेके के निर्णय के नोटिस और ठेके की एक एक प्रति आर्थिक कार्य विभाग द्वारा भारतीय दूतावास टोकियो को और आयात लाइसेंस की फोटो कापी और "प्राधिकार पत्र जारी करने के लिए आवेदन" की एक प्रति के साथ सी ए एण्ड ए के कार्यालय को भेजेगा।

खण्ड-5 विदेशी संभरकों को भुगतान-साख पत्र क्रिया-विधि

5(1) वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग से ठेके के निर्णय का नोटिस और ठेके के दस्तावेज प्राप्त होने पर सहायता लेखा तथा लेखा परीक्षा नियंत्रक, बैंक आफ इंडिया की टोकियो शाखा को संबंधित संलग्न अनुबन्ध-3 में दिए गए प्रपत्र में एक प्राधिकार पत्र जारी करेगा जिसमें बैंक आफ इंडिया की टोकियो ब्रांच संबद्ध विदेशी संभरक के नाम में संलग्न अनुबन्ध-4 (आयातों के लिए) के प्रपत्र में या अनुबन्ध 5 (सेवाओं के लिए) के प्रपत्र में एक अपरिवर्तनीय साखपत्र खोलेगी प्राधिकार पत्र की प्रतियां ओ ई सी एफ भारतीय दूतावास टोकियो, आर्थिक कार्य विभाग, वित्त मंत्रालय को पृष्ठांकित की जाएंगी।

5(2) प्राधिकार पत्र मिलने पर, भारतीय बैंक टोकियो अनुबन्ध-4 (आयातों के लिए) या अनुबन्ध-5 (सेवाओं के लिए लागू होता है) के अनुसार संबंधित विदेशी संभरकों के नाम में अपरिवर्तनीय साखपत्र की स्थापना करेगा और उसकी एक प्रति विदेशी आर्थिक सहयोग निधि (ओ ई सी एफ) भारतीय दूतावास टोकियो भारत में आयातक के बैंक और सहायता लेखा एवं परीक्षा नियंत्रक को भी भेजेगा।

सी ए एण्ड ए से प्राधिकार पत्र के आधार पर साखपत्र खोलने के लिए उपर्युक्त क्रियाविधि संविदा संशोधन या अन्यथा के लिए आवश्यक समझे जाने वाले ऐसे सभी प्राधिकार पत्र साख पत्रों के संशोधनों पर स्वतः लागू होगी।

5(3) माल का पोतलदान करने के बाद विदेशी संभरक अपने बैंकों के माध्यम से साखपत्र में उल्लिखित दस्तावेज भुगतान के लिए बैंक आफ इंडिया, टोकियो को प्रस्तुत करेगा जो वह दस्तावेजों में उल्लिखित धनराशि को विदेशी संभरक को उसके बैंकों के माध्यम से रिहा करेगा और उसके बाद आयातों को लागत की धनराशि की प्रतिपूर्ति विदेशी आर्थिक निधि से प्राप्त करेगा।

5(4) साख पत्र खोलने, उसके अधीन सौदा करने और यदि कोई विदेशी संभरकों के बैंकों के अन्य प्रभारों के लिए बैंक आफ इंडिया, टोकियो को देय बैंकिंग प्रभार आयातक/विदेशी संभरकों द्वारा चुकाए जाएंगे, संविदा मूल्यों के 1/10 प्रतिशत (0.1 प्रतिशत) के बराबर धनराशि की प्राप्ति होने पर ओ ई सी एफ द्वारा एक वचनबद्धता पत्र जारी किया जायगा। यह धनराशि ओ ई सी एफ द्वारा गृहण निधियों से स्वतः अदा की जाएगी।

आयातक को ओ ई सी एफ से या लेखा परीक्षा नियंत्रक वित्त मंत्रालय से भुगतान की सूचना प्राप्त होने पर वचनबद्धता खर्च के इस पत्र के तुल्य रुपया भारत सरकार के लेखे में जमा करना पड़ेगा। ओ ई सी एफ को भुगतान की तिथि से और रुपया जमा करने की तिथि तक (दोनों दिन मिलाकर) का ब्याज भी आयातक द्वारा चालू दर पर अदा किया जाएगा।

आयातक द्वारा इस प्रकार 0.10 प्रतिशत के खर्च की प्रतिपूर्ति प्रक्रिया के अधीन देय है। विदेशी संभरकों के आयातों की लागत के भुगतान की तिथि से ओ ई सी एफ द्वारा प्रतिपूर्ति की तारीख तक की गिनी जाने वाली अवधि के लिए भारतीय बैंक टोकियो को देय ब्याज के खर्च भारत के संबद्ध आयातक बैंक द्वारा भारत के लेखे को प्रभावित किए बिना सामान्य बैंकिंग चैनल के माध्यम से भारतीय बैंक टोकियो को देकरके तय किया जाएगा।

5(5) प्रतिपूर्ति क्रियाविधि

भारतीय संभरकों से माल और सेवाओं के वितरण के लिए प्रक्रिया गृहण समझौते की प्रतिपूर्ति क्रियाविधि के अनुसार होगी।

खण्ड-5 रुपया निक्षेप करने के लिए उत्तरादायित्व

6(1) भारतीय बैंक, टोकियो संगत प्राधिकार पत्र के परिशिष्ट में संकेतित अनुसार आयातक के प्राधिकार बैंक को निरपवाद रूप से परक्रम्य जहाजरानी दस्तावेज रिहा होने से पहले इस बात का सुनिश्चय करेगा कि भारतीय रिजर्व बैंक, नई दिल्ली या भारतीय स्टेट बैंक तीस हजारी, दिल्ली में रुपया निक्षेप कर दिया गया है। प्रथम 30 दिनों के लए समय से चालू वर्तमान 12 प्रतिशत प्रति वर्ष के हिसाब

से गिनी गई येन भुगतान के समतुल्य, रुपए के लिए व्याज प्रभार और उससे अधिक की अवधि के लिए वास्तविक रुपया निक्षेप की तारीख से विदेशी संभरक को बैंक आफ इंडिया, टोकियो द्वारा भुगतान की तारीख तक 18 प्रतिशत की दर से प्रभार भी मूल धनिराशि के साथ सार्वजनिक सूचना सं. 31-आई टी सी पी एन. /83 दिनांक 10-8-83 के अनुसार जमा कराने पड़ेगे। इस बात को नोट कर लिया जाना चाहिए कि इन दोनों दिनों अर्थात् जिस तारीख को भुगतान किया जाता है और जिस तारीख को सार्वजनिक सूचना सं. 103 आई टी सी (पी एन)/76 दिनांक 12-10-76 और सार्वजनिक सूचना सं. 31 आई टी सी (पी एन.) /83, दिनांक 10-8-83 द्वारा यथा संशोधित सार्वजनिक सूचना सं. 74 आई टी सी (पी एन)/84 दिनांक 31-5-74 के अनुसार व्याज लिया जाएगा।

आयातक की संभरक को दिए गए भुगतान की धनराशि और तारीख का निश्चय करने के लिए अलग से व्यवस्था करनी चाहिए भारतीय बैंक टोकियो से आयातक के बैंक द्वारा पोतपरिवहन आदि दस्तावेजों की देरी से प्राप्ति को रुपया निक्षेप पर देय व्याज को आंशिक और पूरी धनराशि की छूट के लिए स्वीकार नहीं किया जाएगा। विदेशी संभरक को किए गए येन भुगतान के समतुल्य रुपए की गणना करने के लिए अपनाई जाने वाली विनियम की दर भुगतान की तारीख को लागू विनियम की वह मिश्रित दर होगी जो सार्वजनिक सूचना सं. 109 आई. टी सी. (पी. एन)/74 दिनांक 3-8-74 और सं. 8-आई. टी. सी. (पी एन)/76 दिनांक 17-1-74 में निर्धारित तरीके के अनुसार निश्चित की गई हो जो मुख्य नियंत्रक आयात निर्यात की सार्वजनिक सूचनाओं के माध्यम से या भारतीय रिजर्व बैंक के मुद्रा विनियम नियंत्रण परिपत्रों के माध्यम से सरकार द्वारा समय समय पर घोषित की गई हो।

इस संबंध में और व्याज की दर के संबंध में भी जब भी कोई परिवर्तन आवश्यक होगा अधिसूचित कर दिया जाएगा। सुनिश्चित करने के लिए भारतीय बैंक की जिम्मेदारी होगी कि देय धनराशि आयातकों को आयात दस्तावेज सौंपने से पहले सरकारी खाते में ठीक प्रकार से जमा कर दी गई है। आयातक को भी यह सुनिश्चित कर लेना चाहिए कि देय धनराशि अपने ऋणदाताओं से दस्तावेजों की सुपुर्वगी लेने से पहले सरकारी खाते में ठीक प्रकार से जमा कर दी गई है। यह सुनिश्चित करने के लिए आयातक की जिम्मेदारी होगी कि देय धनराशि सरकारी खाते में ठीक प्रकार से तुरन्त जमा कर दी है भले ही जब वे विशेष परिस्थितियों के अंतर्गत सीमा शुल्क प्राधिकारियों से माल की सुपुर्वगी वाले दस्तावेजों के बिना प्राप्त करते हैं। यदि आयातक सरकार को देय धनराशि के माल की सुपुर्वगी लेने से पहले जमा नहीं कर पाता तो आगे के लिए उसे प्राधिकार पत्र देना बंद कर दिया जाए और मामले की रिपोर्ट मुख्य नियंत्रक आयात निर्यात को दी जाए ताकि ऐसे आयातक को आगे और आयात लाईसेंस जारी न किए जाएं। जिस लेखाशीर्ष

में उपर्युक्त रुपया निक्षेप किया जाएगा वह (के डिपोजिट एण्ड एडवांसिज 843" सिविल डिपोजिट्स फार परचेजिस आटस्ट्रा एंड क्रेडिट्स लोन एग्रीमेंट्स (लोन फ्रॉम दि गवर्नमेंट आफ जापान 30.0 बिलियन येन क्रेडिट सं. आई डी. पी. -42 फार दि आसाम गैस टरबाइन पावर स्टेशन एण्ड ट्रांसमिशन लाईन कन्स्ट्रक्शन प्रोजेक्ट होना चाहिए।

6(2) ऊपर उल्लिखित धनराशि या तो भारतीय रिजर्व बैंक, नई दिल्ली में या स्टेट बैंक आफ इंडिया तीस हजार, दिल्ली में चालान के ऊपर दाहिनी और कोने में कोड सं. 5130000009 का संकेत देते हुए सरकार की साख में सार्वजनिक सूचना सं. 184 आई टी सी पी एन / 68 दिनांक 30-8-1968 सं. 1233 आई टी सी (पी एन)/68 दिनांक 24-10-68 सं. 132 आई टी सी (पी एन)/71, दिनांक 5.10.71 सं. 74 आई टी सी (पी एन)/74 दिनांक 31-5-74 और सं. 103 आई टी सी (पी एन) /76 दिनांक 12-10-76 में यथानिर्धारित तरीके में जमा होना चाहिए।

6(3) भारत सरकार, वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग द्वारा ऐसी मांग किए जाने के बावजूद सात दिनों के भीतर संबंध भारत में आयातक का बैंक भी ऊपर निर्धारित तरीके से यह अतिरिक्त धनराशि सेवा खर्चों के निमित्त भेजेगा जो वित्त मंत्रालय (आर्थिक कार्य विभाग) द्वारा मांगी जाए। चालान के सुविभिन्न कालमों को भरते समय आयातकों/ उनके बैंकों का इस बात सुनिश्चित कर लेना चाहिए कि सार्वजनिक सूचना सं. 132 आई टी सी (पी एन) /71, दिनांक 5-10-71 के पैरा-2 में निर्धारित सूचना चालान के कालम "धन परेषण और प्राधिकारी (यदि कोई हो) के पूर्ण व्योरे में निरपवाद रूप से निर्दिष्ट किए गए हैं। खजाना चालान में निम्नलिखित व्योरा निरपवाद रूप से प्रस्तुत करने चाहिए:—

(क) वित्त मंत्रालय के प्राधिकार पत्र की संख्या और दिनांक।

(ख) येन मुद्रा की वह धनराशि जिसके संबंध में अपनाई गई परिवर्तन की दर के साथ निक्षेप किए जाने हैं।

(ग) विदेशी संभरक को भुगतान करने की तिथि।

उसके पश्चात सी ए ए एण्ड ए द्वारा जारी किए गए प्राधिकार पत्र का संदर्भ देते हुए और बीजक तथा पोत परिवहन दस्तावेजों को संलग्न करते हुए खजाना चालान रुपया जमा करने का साक्ष्य देते हुए पंजीकृत डाक द्वारा सी ए ए एण्ड ए को भेजा जाना चाहिए।

टिप्पणी:— भारत में आयातक के बैंक को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि रुपया निक्षेप भारतीय बैंक टोकियो को अदायगी की सूचना और अपरिवर्तनीय पोतलदान दस्तावेजों की प्राप्ति के 10 दिनों के भीतर निरपवाद रूप से किया जाना चाहिए और यह कि इसके तत्काल बाद सी ए ए एण्ड ए वित्त मंत्रालय (आर्थिक कार्य

विभाग), नई दिल्ली को सूचित कर दिया जाएगा।

6(4) भारत में संबद्ध भारतीय बैंक की लाइसेंस की मुद्रा विनिमय नियंत्रण प्रति पर रुपया निक्षेपों की धनराशि का पृष्ठान्कन करना चाहिए और अर्पणित "एस" प्रपत्र भारतीय रिजर्व बैंक बम्बई को भेजना चाहिए।

खण्ड-8 विविध व्यवस्थाएं

8(1) आयात लाइसेंस के उपयोग करने की रिपोर्ट

आयातक का पोतखदान और उसके अधीन किए गए भुगतान और शेष धनराशि के बारे में साख पत्र खोलने के बाद एक मासिक रिपोर्ट सहायता लेखा एवं लेखा परीक्षा नियंत्रक, आर्थिक कार्य विभाग, वित्त मंत्रालय, यू. सी. ओ बैंक बिल्डिंग, संसद मार्ग, नई दिल्ली को भेजनी चाहिए।

8(2) संभरकों को विशेष शर्तों के बारे में अधिसूचित करना।

लाइसेंसधारी के आयात लाइसेंस में दिए गए किसी उन विशेष उपबन्धों से संभरक को अवगत करा देना चाहिए जो मान के लाने में संभरक पर प्रभाव डालते हैं।

8(3) विवाद

यह समझ लेना चाहिए कि लाइसेंसधारी और संभरकों के बीच कोई विवाद उठेगा तो उसके लिए भारत सरकार कोई उत्तरदायित्व नहीं लेगी। भारतीय बैंक, टोकियो द्वारा किए गए भुगतान से पहले संभरक द्वारा पूरी की जाने वाली शर्तें अनुबन्ध-2 में भुगतान की शर्तों के अंतर्गत अच्छी तरह से स्पष्ट कर लेनी चाहिए संविदा की शर्तों में विवाद के निराकरण में संबद्ध व्यवस्थाएं शामिल होनी चाहिए।

8(4) भविष्य अनुदेश आयात लाइसेंस या उसके संबंध में उठ खड़े होने वाले किसी मामले या सभी मामलों से संबंधित या जापानी प्राधिकारियों के साथ येन क्रेडिट समझौते (परियोजना सहायता) सं. आई. डी. पी.-42 के अधीन सभी आभारों को विदेशी आर्थिक निधि, जापान (आईसीएफ) के साथ पूर्ण करने के लिए भारत सरकार द्वारा समय-समय पर जारी किए निदेशों, अनुदेशों या आदेशों का लाइसेंसधारी को तुरन्त पालन करना होगा।

8(5) प्रतिक्रमण या उल्लंघन

उपयुक्त खंडों में निर्धारित की गई शर्तों के अतिक्रमण या उल्लंघन करने पर आयात-नियमित (नियंत्रण) अधिनियम के अधीन उचित कार्रवाई की जाएगी।

8(6) अनुबन्धों की सूची

1. अनुबन्ध-1 पात्र स्रोत देशों की सूची
2. अनुबन्ध-2 प्राधिकारपत्र जारी करने के लिए अनुरोध
3. अनुबन्ध-3 प्राधिकारपत्र का प्रपत्र

4. अनुबन्ध-4 साखपत्र का प्रपत्र (वास्तविक आयातों के लिए लागू)

5. अनुबन्ध-5 साखपत्र का प्रपत्र (सेवाओं के लिए लागू)

अनुबन्ध-1

पात्र देशों की सूची

(क) विकासशील देश तथा उनके क्षेत्र

(क-1) विदेशी आर्थिक सहयोग से भिन्न विकासशील देश

1. अफ्रीका, उत्तरी सहारा

मिश्र मोरोको तुनीशिया

2. अफ्रीका, दक्षिणी सहारा

अंगोला	बोत्सवाना	बुरुण्डी
कैमेरून	केप वर्डी द्वीप समूह	केन्द्रीय अफ्रीका गणतंत्र
चाड	कमोरो द्वीप समूह	कांगों, दाहोमे का गणतंत्र
मध्य गिनी (1)	इथोपिया	जाम्बिया
घाना	गिनी	ग्राइवैरी कोस्ट
कीनिया	लेसोथो	लाइबेरिया
मालायासी गणतंत्र	मालावी	माली
मालिनेविया,	मुजम्बिक	नाइजर
मारीशस		
गुर्गागाली गिनी रि टोण्डा	रियूनियम	रोडेसिया
	सेट विलियम और डेन (2)	लाओ टोम और प्रिन्सिप
सेनेगल से	सेचिलिज	मिगरा सिचोन
सोमालिया	सूडान	स्वाजीलैण्ड
टेरी आफर्स	टोगो	युगान्डा
औह इस्साम		

नंजानिया अवर बोल्डा जाईरे गणतंत्र जाम्बिया

3. अमेरिका, उत्तरी और केन्द्रीय

बेल्जियम बार्बाडोज बेलाइज
बरमूडा कोस्टारिका क्यूबा
डोमिनिकन गणतंत्र एन सालवाडोर गुवाटे लो
ग्वाटेमाल हेती होन्डुरस
जमैका भाटिनिक मेक्सिको
नौदरलैंड अन्टिगुा निकारागुवा पनामा

सेन्ट पियरो ट्रिनिडाड और वेस्टइंडी 3
और निकेवान, टोबागो, (यारा) 5
एच आई ड

(क) सह ---संबद्ध राज्य (1)

(ख) आश्रित (2)

- (1) पहले स्पैनी गिनी का प्रदेश, फरोन्ड पो द्वीप सहित
 (2) निम्नलिखित द्वीपों सहित :—
 असेन्शन, ट्रिस्टन्डा इन एसोसिएजन्स, लाइटिनोल, गफ
 (3) मुख्य द्वीप समूह, अरबा, बोनाइरे, क्यराकोओ, साहा, सेन्ट

4. दक्षिणी अमेरिका

अर्जेन्टीना	बोलिविया	ब्राजील
चिली	कोलम्बिया	फाल्क लैंड द्वीप समूह
फॉसिसो गुयाना	गुयाना	पराग्वे
पोरू	सूरिनाम	ऊरुग्वे

5. मध्य-पूर्वी एशिया

बहरीन	इजराइल	जोर्डन
लेबनान	ओमन	सिरिआई अरब गणतंत्र
यूनाइटेड अरब एमिरात	यमन अरब गणतंत्र	यमन जनवादी का डी. आर. (4)

6. दक्षिण एशिया

अफगानिस्तान	बांगला देश	भूटान
बर्मा	भारत	माल द्वीप
नेपाल	पाकिस्तान	श्रीलंका

7. सूदूर पूर्वी एशिया

ब्रुनी	हांगकांग	खभेर गणतंत्र
कोरिया गणतंत्र	लांगोस	मकाओ
मलेशिया	फिलिपाइन	सिमापुर
ताइवान	थाइलैण्ड	तिमोर
वियतनाम गणतंत्र	वियतनाम जनवादी गणतंत्र	

8. ओसिनिया

कोक द्वीप समूह	फिजी	गिलबर्ट और इलाइस द्वीप
फेंसिसी पोलिनशिया	नारू	न्यू कैलेडोनिया
न्यू हेब्रिसिस (ब्रि, औरफ)	नियू	पौलिपिक द्वीप समूह (संयुक्त राज्य) (6)
पापुवा न्यू गिनी	सोलोमन द्वीप समूह (ब्रा)	टोंगा
वालिस डोर फुतुना	पश्चिमी सागोआ	

9. यूरोप

साइप्रस	जिब्राल्टर	ग्रीक
माल्टा	स्वेन	तुर्की
यूगोस्लाविया		

- (1) मुख्य द्वीप एन्डमुबा, डोमिनिका, ग्रेनेडा, सेन्ट किट्स (सेन्ट किस्टोफो) नेविस-अंगुइला, सेन्ट लूसिया और सेन्ट ब्रिसेन्ट ।

- (2) मेन आइलैण्ड, मोन्तेसरेत, सेमान, तर्की और वाइकोस और ब्रिटिश बरजिन द्वीप समूह ।
 (3) अजमन, दुबई, फुजाइरत, रास अल सेमाह, शरजाह और उम अल क्वैवेन ।
 (4) अदन और विसिन्न सलतनत और अमीरात सहित ।
 (5) सोमायटी आइलैण्ड समूह (ताहिबी सहित) को शामिल करते हुए आस्ट्रल द्वीप समूह, टुआ-मोट, जाम्बियर ग्रुप और मकेसस द्वीप समूह ।
 (6) पसिफिक द्वीप समूह की ट्रस्ट प्रदेश, कारोलीन द्वीप समूह, मार्शल द्वीप समूह और मेरिना द्वीप समूह (माम को छोड़कर) ।

(क-2) ओ. पी. ई. सी. के सदस्य या सहयोगी देश	अल्जीरिया	बोलिविया	लीनियार्ड अरब गणतंत्र
	बेनीन	नाइजीरिया	इक्वेडोर
	बेन्जुइना	ईरान	ईराक
	कुवैत	कतार	सऊदी अरब
	अबू-धाबी	इन्डोनेशिया	

अनुबन्ध-2

प्राधिकार पत्र जारी करने के लिए प्रार्थना पत्र संख्या दिनांक

सेवा में

सहायता लेखा तथा लेखा परीक्षा, नियंत्रक, वित्त मंत्रालय,

प्राथमिक कार्य विभाग

यू. सी. ओ. बैंक बिल्डिंग, प्रथम मंजिल, पालियामेंट स्ट्रीट, नई दिल्ली-110001.

विषय:—येन क्रेडिट सं. आई. डी. पी.
 (परियोजना सहायता) 198 8 के अन्तर्गत जापान से का आयात ।

सहोदय,

ऊपर उल्लिखित येन क्रेडिट सं. आई. डी. पी. (परियोजना सहायता) के अधीन से के आयात के सम्बन्ध में (बैंक का नाम) जो कि चाहिए जो नोवे (6) में सम्बद्ध समुद्रपार संभरक के नाम में साख-पत्र खोलने के लिए दिया गया है, कि प्राधिकार पत्र जारी करने के लिए हम आपको निम्नलिखित व्योरे प्रस्तुत करते हैं :—

- (क) भारतीय आयातक का नाम और पता ।
 (ख) आयात लाइसेंस संख्या, दिनांक और मुख्य और वह तारीख जिस तक वैध है ।
 (ग) प्राप्ति के तरीके क्या वह सीधे क्रय या औपचारिक खुले अन्तर्राष्ट्रीय निविदा पर आधारीत है । इसके मामले में यदि कोई कारण हो तो

कारण सहित यह संकेतिक होना चाहिए कि क्या संविदा का निर्णय उपर्युक्त न्यूनतम तकनीकी प्रस्ताव के आधार पर किया गया है।

- (घ) माल का संक्षिप्त विवरण।
- (ङ) माल का उद्गम देश।
- (च) यदि कोई हो तो पात्र से इतर स्रोत देशों से आयातित संघटकों का प्रतिशत।
- (छ) संविदा का कुल जहाज पर निःशुल्क लागत और भाड़ा मूल्य (येन में)।
- (झ) यदि कोई हो तो भारतीय एजेंट के कमीशन की धनराशि (येन में)।
- (म) वास्तविक जहाज पर निःशुल्क/लागत और भाड़ा मूल्य (येन में) जिसके लिए प्राधिकार पत्र मांगा गया है।
- (ग) समुद्रगार के संभरकों के साथ की गई संविदा की संख्या एवं दिनांक।
- (ट) विदेशी संभरक का नाम, पता और राष्ट्रीयता।
- (ठ) वे भुगतान शर्तें और संभावित लिखित जिम्मेदारियां जिनको संविदा के अन्तर्गत भुगतान देय होंगे।
- (ड) सुपुर्दगी को पूर्ण करने की प्रत्याशित तिथि।
- (ढ) बैंक आफ इंडिया, टोकियो को भुगतान करते समय प्रस्तुत किये जाने वाले दस्तावेज (प्रत्येक सेट की संख्या और उनका निपटान दिखाते हुए)।
- (ग) पोतलदान अनुदेश (वाहनान्तरण/पोर्ट-शिपमेंट को अनुमति दी गई है या नहीं निविष्ट कीजिए)।
- (त) भारत में आयातक के बैंक का नाम और पता।
- (थ) क्या उसी लाइसेंस के अन्तर्गत संविदा/(संविदाएं) कर दी गई हैं और जापानी प्राधिकारियों को अधिसूचित कर दिया गया है, यदि हां तो ऐसी संविदा की संख्या, दिनांक और मूल्य और वित्त मंत्रालय का वह संबंध जिसके अन्तर्गत ओ. ई. सी. एफ. को इसे अधिसूचित किया गया है।
- (द) क्या साख पत्र के संचालन और रख-रखाव के लिए बैंक आफ इंडिया, टोकियो को देय बैंक खर्च आयातकों या संभरकों द्वारा वहन किए जाने हैं।
- (ध) आयातक द्वारा वचनबद्धता :—

“हम एतद्वारा सरकार द्वारा निर्धारित तरीके से और दर से विदेशी संभरक को किए गए भुगतान के समस्त व्यय रुपये को पूरा और सही जमा करने का वचन देते हैं। प्रत्येक निक्षेप माल (आयातित सामग्री) की सुपुर्दगी सौंपने से पूर्व तत्काल ही धनराशियां जमा कराई जाएंगी। विदेशी राष्ट्रीयता वालों की सेवाओं के लिए भुगतानों के मामले में, दिए गए ज्यों ही विदेशी संभरकों के सम्बद्ध धीजक हमारे द्वारा अनमोदित कर दिए जाएं और संभरकों को भुगतान कर दिया जाए, त्यों ही धनराशियां जमा करा दी जाएं।

626 GI 87—2

अनुबन्ध—3

वित्त मंत्रालय

आर्थिक कार्य विभाग
नई दिल्ली,

मेधा में,

बैंक आफ इंडिया,

टोकियो शाखा,

टोकियो (जापान)

विषय : येन क्रेडिट (परियोजना सहायता) ऋण करार
सं. आई डी पी—के अधीन आयात साख-पत्र
खोलने के लिये प्राधिकार पत्र जारी करना।

प्रिय महोदय,

आपके बैंक के साथ 23-3-1980 को किये गये समझौते की शर्तों के अनुसार आपकी एतद्वारा यथा संलग्न ब्यौरे के अनुसार सर्वश्री—के नाम में—येन धनराशि के लिये अपरिवर्तनीय साखपत्र खोलने के लिये प्राधिकृत किया जाता है।

आपके बैंक, द्वारा खोले गये प्रत्येक साखपत्र की प्रति आयातक के बैंक ओ ई सी एफ भारतीय बूतावास, टोकियो और हमें पृष्ठांकित की जाये।

3. साख-पत्र की शर्तों के अनुसार प्रारम्भ में संभरकों को भुगतान आपकी निधि से किया जायेगा। भुगतान के साथ ओ ई सी एफ को आवश्यक दस्तावेज भेजकर किये गये भुगतान की प्रतिपूर्ति का दावा तत्काल करना चाहिये।

4. विदेशी संभरक को भुगतान करने के बाद आपको (आयातक के बैंक का नाम और पता) को मूल पोत परिवहन दस्तावेज (मोल तोल वाले) और अतिरिक्त दस्तावेजों का पूर्ण सेट और नकद भुगतान यदि कोई हो तो उसके सहित संभरक को किये गये भुगतानों के लिये डेबिट एडवाइस की एक प्रति भेजनी चाहिये।

5. संभरक को आपके द्वारों किये गये भुगतान की तिथि से और ओ.ई.सी.एफ. द्वारा उसकी प्रतिपूर्ति की तिथि तक के बीच के समय के लिये आपको देय ब्याज प्रभार का निपटान आपके द्वारा भारत सरकार के लेखे को प्रभावी किये बिना सामान्य बैंकिंग सूत्रों के माध्यम से भारत में आयातक के संबद्ध बैंक के साथ किया जायेगा। बैंकों के अन्य खर्च जिसमें साखपत्र खोलने, रख-रखाव करने और साखपत्रों को जारी रखने के लिये खर्च भी शामिल है क्योंकि वे भी परक्राम्य दस्तावेजों के संचालन से संबंधित है और यदि कोई हो तो, विदेशी संभरकों के बैंकों के खर्च भी विदेशी संभरक को ही देने पड़ेंगे और इसलिये आयातक द्वारा उनका भुगतान नहीं किया जायेगा और इसलिये उन्हें सीधे ही संभरकों से प्राप्त किया जा सकता है। इस प्रकार ऐसे भुगतानों की प्रतिपूर्ति का दावा ओ.ई.सी.एफ. में नहीं किया जा सकता है।

6. जैसे ही आपके द्वारा कोई भुगतान किया जाता है और उसकी प्रतिपूर्ति आपको कर दी जाती है तो इसकी सूचना निर्धारित प्रपत्र में इस मंत्रालय को भेज दी जानी चाहिये।

7. यह प्राधिकार पत्र समुद्रपार संभरकों के नाम में साखपत्र खोलने के लिये है इस मंत्रालय के विनिर्दिष्ट प्राधिकार के बिना इस प्राधिकरण के मद्दे खोले गये आपके नये साखपत्र या साखपत्रों में बाढ़ में संशोधनों का अनुपालन नहीं किया जायेगा।

8. यह प्राधिकारपत्र—तक वैध रहेगा।

9. कृपया ठेके से संबंधित सभी पत्राचारों में और भुगतान प्रदर्शित करने वाली एडवाइस में भी प्रस्तुत अनुदेश पत्र के शीर्ष पर दी गई संख्या का हवाला दें।

भवदीय,

(लेखा अधिकारी)

प्रति निम्नलिखित को प्रेषित।—

1. आयातक.....को उनके पत्र सं.....
दिनांक के.....के संदर्भ में।

उनसे अनुरोध है कि वे बैंकों से विनिर्दिष्ट दस्तावेजों की डिलिवरी लेने से पूर्व निर्धारित दर पर और तरीके से अपने बैंकों के माध्यम से रुपया निक्षेप आदि का जमा कराने का प्रबन्ध करें। अपवाद परिस्थितियों के रूप में यदि माल की डिलिवरी सीधे ही सीमाशुल्क और पत्तन प्राधिकारियों से मूल पोतलदान दस्तावेज भेजे बिना ही प्राप्त कर ली जाती है, तो डिलिवरी लेने से पूर्व ही निक्षेप किए जाने चाहिए। विदेशी राष्ट्रकों द्वारा दी गई सेवाओं के लिए भुगतान के मामले में जैसे ही संबंध बीजक भुगतान के लिए अनुमोदित हो जाएं, निक्षेप कर दिए जाएं। निक्षेप शीघ्रता और उचित रूप से न करने पर लाइसेंस शर्तों के अनुसार कार्रवाई की जा सकती है।

2. (1) आयातक के बैंकर.....की यह आयात लाइसेंस.....दिनांक.....के संदर्भ में है। यह प्राधिकरण पत्र चैन क्रेडिट के अधीन आयातों को नियंत्रित करने वाली संबंधित लाइसेंस शर्तों के अन्तर्गत जारी किया जाता है। कृपया लाइसेंस शर्तों और संबंधित सार्वजनिक सूचना/आदेश का अवलोकन किया जाए और आयात/विदेशी भुगतानों से संबंधित उचित कार्रवाई की जाए।

(2) उनसे निवेदन किया जाता है कि बैंक आफ इंडिया, टोकियो ब्रांच से दस्तावेज प्राप्त करने पर विदेशी संभरक को चैन भुगतान के बराबर रुपए जमा कराने को व्यवस्था करें। संभरकों को भुनाई गई धनराशि के बराबर रुपए की गणना सार्वजनिक सूचना संख्या 8-आई टी सी (पी एन)-76, दिनांक 17-1-76 या अन्य ऐसी ही सार्वजनिक सूचना जो समय समय पर जारी की जाए के अनुसार संभरकों को भुगतान करने की तिथि को यथा प्रचलित परिवर्तन को मिश्रित दर पर की जाएगी प्रथम

30 दिनों के लिए 12 प्रतिशत वार्षिक दर से और इससे अधिक अवधि के लिए 18 प्रतिशत वार्षिक दर से ब्याज जो कि संभरक को भुगतान की तारीख बैंक आफ इंडिया को प्रतिपूर्ति की तारीख और जब समतुल्य रुपया भारत सरकार के लेखों में जमा किया जाता है उन दो अवधियों के बीच की अवधि के लिए गिना गया है उसे भी सार्वजनिक सूचना संख्या 31 आई टी सी (पी एन)-83, दिनांक 10-8-83 के अनुसार भारत सरकार के लेख में जमा कराना अपेक्षित है। ब्याज दोनों दिनों के लिए देय है। अर्थात् यह तारीख जिसको विदेशी संभरक को भुगतान किया जाता है और यह भी तारीख जिसको भारत सरकार के लेख में रुपया जमा कराया जाता है। (जब भी इस दर में परिवर्तन किया जाएगा उसे सूचित कर दिया जाएगा)। यह सुनिश्चित कर लेना चाहिए कि आयातक को सीमा शुल्क लिकामी के लिए आयात दस्तावेजों का मूल सेट दिए जाने से पूर्व यह धनराशि जमा की जाती है।

ये धनराशियां या तो भारतीय रिजर्व बैंक, नई दिल्ली या भारतीय स्टेट बैंक, तीस हजारी में चालान के बाहिनी ओर कोड सं. 5130000009 दर्शाते हुए जमा करनी चाहिए। इस संबंध में उनका ध्यान सार्वजनिक सूचना सं. 184-आई टी सी (पी एन) 68, दिनांक 30-8-68, 233 आई टी सी (पी एन)/68, दिनांक 24-10-1968, 132-आई टी सी (पी एन)/71, दिनांक 5-10-71, सं. 74-आई टी सी (पी एन)/74, दिनांक 31-5-74 एवं सं. 103 आई टी सी (पी एन)/76, दिनांक 12-10-76 में दिए गए प्रावधानों की ओर दिलाया जाता है। वह लेखा शीर्ष जिसमें रुपया जमा कराना है के डिपॉजिट एण्ड एडवांसिज 843—सिविल डिपॉजिट्स—डिपॉजिट्स फार परचेजिंग एटसेट्रा ब्रांड एंडर परचेजिंग अंडर क्रेडिट/लोन एग्जीमेंट्स लोनफोम दी गवर्नमेंट आफ जापान विलियन येन क्रेडिट (परियोजना सहायता) सं. आई टी पी—फार 1988 है।

जिन मामलों में तुल्य रुपया रिजर्व बैंक आफ इंडिया, नई दिल्ली या स्टेट बैंक आफ इंडिया, तीस हजारी में सार्वजनिक सूचना सं. 132-आई टी सी (पी एन)/71, दिनांक 5-10-71 के अनुसार नकद जमा कराना है उसमें चालान की मूल रूप में एक प्रतिलिपि बैंक आफ टोकियो शाखा में प्राप्त सूचना टिप्पण का पूर्ण विवरण देते हुए अप्रेषण पत्र सहित उनके द्वारा निम्नलिखित पत्र पर भेजी जायेगी :—

सहायता लेखा तथा लेखा परीक्षा नियन्त्रक,
वित्त मंत्रालय (आर्थिक कार्य विभाग),
पहली मंजिल, यू.सी.ओ. बैंक बिल्डिंग,
संसद मार्ग, नई दिल्ली-110001

जिन मामलों में तुल्य रुपया ऊपर संकेतिक सार्वजनिक सूचना संख्या दिनांक 24-10-68 में यथा उल्लिखित दर्शनी हुण्डी द्वारा प्रेषित करना है उसकी सूचनायें उपर्युक्त पत्र पर भेजी जानी चाहिये। सभी मामलों में, जमा किये गये तुल्य रुपये का पूरा व्योग इस विभाग को भेजना चाहिये।

संभरक को भुगतान की तिथि से और ओ.ई.सी.एफ. द्वारा उसकी प्रति पूर्ति की तारीख तक के बीच के समय

के लिये बैंक आफ इंडिया को देय व्याज प्रभार सीधे ही आपके द्वारा भारत सरकार के लेखे को प्रभावी किये बिना सामान्य बैंकिंग सूत्रों के माध्यम से भारत में रखप्रायतक के बैंक के साथ निपटायें जायेंगे।

3. निदेशक, ऋण विभाग-2

समुद्रपार आर्थिक सहयोग निधि,

टेकवसी म्यूजी बिल्डिंग, 4-1, ओहायूटी 1-कोणे,

चियेडा-कु, टोकियो 100 जापान।

4. भारतीय वृत्तावास टोकियोम।

5. अवर सचिव, जापान अनुभाग, वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग नई दिल्ली।

भवदीय,

(लेखा अधिकारी)

अनुबंध-4

(ओ.ई.सी.एफ.सी.-1 प्रपत्र)

अपरिवर्तनीय साखपत्र

(माल के लिये लागू)

दिनांक

सेवा में

प्रिय महोदय

यह साखपत्र (ऋणों) और विदेशी

आर्थिक सहयोग निधि के बीच हुए

ऋण करार सं.

(संभरक का नाम और पता दिनांक) के अनुसरण में जारी किया गया है।

प्रिय महोदय,

हम सूचित करते हैं कि हमारे नाम में निकालने के लिये बीजक के पूरे मूल्य के लिये दर्शनी हुण्डी द्वारा उपलब्ध रकम या रकमों के लिये हमने अपरिवर्तनीय साखपत्र सं. _____ खोल दिया है जो _____ येन (_____ येन यह कह सकते हैं) की कुल धनराशि से अधिक नहीं है। इसे निम्नलिखित दस्तावेज के साथ भेजा जाना है :—

हस्ताक्षरित वाणिज्यिक बीजक

क्लीन आन बोर्ड, समुद्री पोत लदान बिल जिनमें दिये गये आदेशों का पूरा सैट हो बैंक पृष्ठांकित एवं चिह्नित "फट एव नोटिफाई" अन्य दस्तावेज जिसमें _____ से _____ तक लदान का सत्यापन दिया गया हो। संविदा सं. _____ (यदि कोई हो) के संदर्भ में संक्षिप्त विवरण आंशिक पोतलदान स्वीकृत है।

पोतलदान बिल जो _____ से वाद की तिथि का नहीं होना चाहिये। आदेशीती को _____ 19 _____ तक अवश्य प्रस्तुत किये जाने चाहिये।

इस क्रेडिट के अन्तर्गत सभी डाफ्ट और दस्तावेज पर यह अंकन होना चाहिये अपरिवर्तनीय साखपत्र सं. _____ दिनांक _____ 19 _____ के अन्तर्गत निकलवाया गया और आयात संदर्भ सं. (संख्याएं) यदि कोई हो, यह क्रेडिट हस्तान्तरिणीय नहीं है।

हम एतद्वारा बचन देते हैं कि इस क्रेडिट के अन्तर्गत और इसकी शर्तों का अनुपालन करके निकलवाये गये सभी डाफ्ट प्रस्तुत करने पर और आदेशितों का दस्तावेजों की सुदृढ़गी पर विधिवत् स्वीकार किये जायेंगे।

जब तक अन्यथा रूप से विस्तारपूर्वक न बताया जाये कि क्रेडिट "यूनीफार्म कस्टम एण्ड प्रैक्टिस फार डाकुमेंट्स क्रेडिट्स (1974 रिबीजन) इण्टरनेशनल बैंकर ऑफ कामर्स, पब्लिकेशन सं. 290" के अधीन है।

सोदा करने वाले बैंक के लिये विशेष अनुदेश :—

उपर्युक्त ऋण करार के अन्तर्गत जारी किये गये ऋण पत्र की व्यवस्थाओं के अनुसार विदेशी आर्थिक सहयोग निधि द्वारा हमारे भुगतान के लिये प्रतिपूर्ति प्राप्त करने के वाद हमें बचन देते हैं कि हम सोदा करने वाले बैंक द्वारा जारी किये गये अनुदेशों के अनुसार हुण्डी की धनराशि को लौटा देंगे।

2. सौदा करने वाले बैंक को यह बताते हुए हम ड्राफ्ट और दस्तावेजों का पूर्ण सेट और उसके साथ एक प्रमाणपत्र भेज देंगे कि ये दस्तावेज सीधे ही हवाई डाक द्वारा _____ को भेज दिये गये हैं।

3. इस क्रेडिट के अन्तर्गत सभी बैंक के अपने आयातक/संभरक के लेखों के लिये हैं।

भवदीय,

()

वाणिज्यिक बैंक

द्वारा _____

प्राधिकृत हस्ताक्षर

भुगतान शर्तें

यह भुगतान हमारी साखपत्र सं. _____ का अभिन्न अंग है।

1. प्रारम्भिक भुगतान

धनराशि _____ येन जो कि कुल
संविदा मूल्य के _____ प्रतिशत।

अपेक्षित दस्तावेज प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि

2. मध्यवर्ती भुगतान (यदि कोई हो)

धनराशि _____ येन जो
कि कुल संविदा मूल्य का _____
प्रतिशत है।

अपेक्षित दस्तावेज

प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि

3. पोतलवान दस्तावेजों के मद्दे भुगतान

धनराशि _____ येन
संविदा के कुल मूल्य का _____
प्रतिशत है।

टिप्पणी:—पोतलवान दस्तावेजों के मद्दे पूर्ण भुगतान के मामले में इस संलग्न दस्तावेज की आवश्यकता नहीं है।

अनुबन्ध—5

(ओ. ई. सी. एफ. एल. सी. प्रपत्र-2)

अपरिवर्तनीय साखपत्र

(सेवाओं के लिये लाभू)

सेवा में

दिनांक _____

यह साखपत्र ऋणों और विदेशी आर्थिक सहयोग निधि के बीच हुए
ऋण करार सं. _____

(संभरक का नाम व पता)

दिनांक _____

के अनुसरण में जारी किया गया है।

प्रिय महोदय,

हम आपको सूचित करते हैं कि हमारे नाम में निकालने के लिये पूर्ण धीरे मुख्य के लिये लाभकारी ड्राफ्ट एट साइट
द्वारा उपलब्ध रकम को रकमों के लिये आपके नाम में हमने अपरिवर्तनीय साखपत्र सं. _____ खोल दिया है जो येन—
_____ (येन पहले) की कुल धनराशि से अधिक नहीं है।

इस में संलग्न भुगतान अनुसूची के अनुसार अपेक्षित (संविदा— और परिष्करण—) से संबंधित दस्तावेजों को नत्बी करना है सोचा तय करने के लिये ड्राफ्ट— से पहले प्रस्तुत किये जाने चाहिये

सभी ड्राफ्ट और दस्तावेज अपरिवर्तनीय साक्ष्यपत्र सं. — दिनांक — के अन्तर्गत मूना निये गये हैं, से चिह्नित होने चाहिये।

यह क्रेडिट हस्तान्तरणीय नहीं है।

हम एतद्वारा बचन देते हैं कि इस क्रेडिट के अन्तर्गत इसकी शर्तों को अनुपालना में भुनाये गये सभी ड्राफ्ट प्रस्तुत करने पर और आदेशितों को सुपुर्दगी पर विधिवत् स्वीकार किये जायेंगे।

जब तक अन्यथा रूप में विस्तार पूर्वक न बताया जाये, यह क्रेडिट, "यूनिफार्म कस्टम एंड प्रोक्टस फार डॉक्यूमेंटरी क्रेडिट 1974 डिबीजन इंटरनेशनल चैम्बर ऑफ कमर्स नं. 290" के अधीन है।

सीदा करने वाले बैंक को विशेष आदेश:—

इसमें संलग्न प्रपत्र के अनुसार (ऋणों और इसके मनोनीत अधिकारी द्वारा जारी किये गये निष्पादन के मूल विवरण की प्राप्ति के पश्चात् इस क्रेडिट के अंतर्गत भुगतान इसमें संलग्न शीट में निर्धारित भुगतान अनुसूची के अनुसार किये जाने चाहिये। प्रारम्भिक भुगतान के मामले में उपर्युक्त निष्पादन के विवरण के बजाय लाभकारी विवरण की आवश्यकता है।

ऊपर उल्लिखित ऋण समझौते के अधीन जारी किये गये बचनबद्धता पत्र के उपबन्धों के अनुसार विदेशी आर्थिक सहयोग निधि के अन्तर्गत भुगतान के लिये प्रतिपूर्ति प्राप्त करने के बाद हम ड्राफ्टों की धनराशि का मोल तोल करने वाले बैंक द्वारा जारी किये गये अनुदेशों के अनुसार प्रेषित करने का बचन देते हैं।

3. उपर्युक्त मद 1 में यथा उल्लिखित दस्तावेज की एक प्रति और मसौदे हमें उसकी प्राप्ति के तुरन्त बाद ही भेजे जायेंगे।

4. इस साख के अन्तर्गत बैंक के सभी खर्च सम्भरणों के लेखे के लिये हैं।

भवदीय,

(वाणिज्यिक बैंक)

द्वारा—

(प्राधिकृत हस्ताक्षर)

भुगतान अनुसूची

यह भुगतान अनुसूची हमारे साक्ष्यपत्र सं. — का एक अभिन्न अंग है।

1. प्रारम्भिक भुगतान—

धनराशि—येन

कुल संविदा मूल्य का—प्रतिशत है।

अपेक्षित दस्तावेज लाभकारी विवरण की अंतिम भुगतान तिथि

2. भुगतान वृद्धि

सम्पूर्ण योग की धनराशि—येन

कुल संविदा मूल्य का—प्रतिशत निम्न प्रकार से भुगतान किया जाता है—

देय धनराशि अंतिम भुगतान तिथि

येन—

पहली किस्त देय—

—

—

अपेक्षित दस्तावेज (ऋणी अथवा उसके मनोनीत प्राधिकारी) द्वारा जारी किये गये निष्पादन के विवरण की एक प्रति निम्नका एक प्रपत्र संलग्न है।

निष्पादन का विवरण

सेवा में

दिनांक—

संदर्भ—

(सम्बरक का नाम और पता)

संदर्भ :—ऋण करार सठ— के अन्तर्गत—

परियोजना से संबंधित— के नाम—

में— के लिये—

द्वारा जारी किये गये माखपत्र की सं— दिनांक—

में अधोहस्ताक्षरी, प्रतिनिधि (ऋणी) एतद्वारा— और— के बीच समझौता सं— दिनांक— में विहित भुगतान की शर्तों के अनुसार समुद्रपार आर्थिक सहायता निधि द्वारा— की धनराशि— (यें केवल) प्राप्त करने के लिये एक निष्पादन विवरण जारी करता है।

(—)

* (ऋणी)

द्वारा—

(प्राधिकृत हस्ताक्षर)

विशेष अनुदेश :—

वास्तविक निष्पादन का विवरण इसमें संलग्न शीट में दर्शाया जायेगा।

MINISTRY OF COMMERCE
IMPORT TRADE CONTROL

PUBLIC NOTICE NO.199—ITC (PN)85—88
New Delhi, the 14th July, 1987

Subject : Licensing conditions in respect of import of equipment and services under the Yen Credit of Yen 30 Billion for the implementation of the Assam Gas Turbine Power Station and Transmission line construction Project of the NEEPCO extended by the Overseas Economic Co-operation Fund (OECF) of Japan.

F. No. IPC/23 (33)85-88.—The terms and conditions governing imports under the Yen Credit of Yen 30 Billion for the implementation of the Assam Gas Turbine Power Station and Transmission line construction Project of the NEEPCO extended by the Overseas Economic Co-operation Fund (OECF) of Japan, as given in the Appendix to this Public Notice are notified for information.

Sd/-

(R. L. MISRA)
Chief Controller of Imports & Exports

S. P. DHUPAR, Dy. Chief Controller of Imports & Exports

Appendix to the Ministry of Commerce Public Notice No. 199 ITC(PN)85 dt. 14th July'87,

LICENSING CONDITIONS IN RESPECT OF IMPORT OF EQUIPMENT AND SERVICES UNDER THE YEN CREDIT OF YEN 30 BILLION FOR THE IMPLEMENTATION OF THE ASSAM GAS TURBINE POWER STATION AND TRANSMISSION LINE CONSTRUCTION PROJECT OF NEEPCO EXTENDED BY THE OVERSEAS ECONOMIC COOPERATION FUND (OECF) OF JAPAN.

Section I- General Conditions

I (i) The Yen Credit of Yen 30 billion extended by the overseas Economic Cooperation Fund of Japan (OECF) for financing the import requirements of the Assam gas Turbine Power Station and Transmission Line Construction Project of NEEPCO is untied in favour of Japan and developing countries including India. Accordingly the goods and services to be procured under this credit can be procured from Japan and all countries (including India) enumerated in the list at Annexure-I which will be eligible source countries under the credit.

I (ii) Import Licence(s) under the Credit can be issued only for such items and for such value as have been specifically cleared by the DGTD/CG Committee. The value of import licence(s) issued under this credit should not exceed yen 33.0 billion (CIF).

The rupee value of the import licence shall be determined with reference to the Exchange rate notified by the Department of Revenue (Customs) and prevailing on the date of issue of the import licence and indicated in the body of the import licence(s) as per para 2 of the Public Notice No. 78-ITC(PN) 74 dated the 6th June, 1974, issued by the CCI&E, which also enjoins that the Customs Authorities and the authorised dealers in foreign exchange will make debits to the value of the licence(s) at the exchange rate specified on the import licence(s). The licence will bear the superscription "Japanese Yen Credit No. ID-P42". The first and second suffix to the licence code will be "S/JC". This will also be repeated in the letter from CCI&E forwarding the import licence to NEEPCO a copy of which should be endorsed to the Ministry of Finance, Department of Economic Affairs, (Japan Section).

I (iii) Import licence(s) can be issued only in favour of NEEPCO on CIF basis

I (iv) Depending on the convenience of importer, more than one import licence may be issued under this credit, but the total value must not exceed Yen 33 billion (CIF) as specified in (ii) above.

I (v) The extension of the validity of the import licence may on application by importer, be granted upto a further period of 12 months. Any request for further extension/issue of a fresh import licence may be referred to the Deptt. of E.A. (Japan Section).

I (vi) Imports to be financed under the Credit are restricted to the list of goods and services attached to the import licence, duly attested by the licensing authorities.

I (vii) No remittance of foreign exchange will be permitted against the import licence. Any payment towards Indian Agent's commission should be made in Indian Rupees to the agents in India. Such payments, however, will form part of the licence value and will, therefore, be charged to the licence.

I (viii) Firm order must be placed on FOB/C&F basis on the Overseas supplier located in the countries mentioned in Annexure-1 and sent to the Department of Economic Affairs (Japan Section) within 4 months from the date of issue of the import licence. Insurance charges will be payable in India by Indian Rupees. "Firm orders" means purchase order placed by the Indian Licencee on the Overseas supplier duly signed by the latter or purchase contract duly signed by both the Indian Importer and the overseas supplier. Orders on Indian Agents of overseas suppliers and/or order confirmation of such Indian Agents are not acceptable.

I (ix) This condition of the placement of contracts within 4 months period will be treated as not having been complied with unless complete contract documents reach the Ministry of Finance, Department of Economic Affairs (Japan Section) within four months from the date of issue of the import licence. If firm orders, as explained in para I (viii) above cannot be placed within four months for valid reasons, the licensee should submit the import licence to the concerned licensing authorities giving

reasons why ordering could not be completed within four months. Such requests for extension in the ordering period will be considered on merit by the licensing authorities who may grant extension upto a further maximum period of 4 months. If, however, extension is sought beyond 8 months from the date of issue of the import licence such proposals will invariably be referred by the Licensing authorities to the Department of Economic Affairs (Japan Section), Ministry of Finance, North Block, New Delhi who will consider such extension on the merits of each case and communicate their decision to the licensing authorities for communication to the licensee. Only on production by the licensee of a letter from the licensing authorities sanctioning such extension will be authorised dealers and departmental authorities permit the facility of letter of authority for the establishment of letter of credit acceptance of deposits of the rupee equivalent, etc. in respect of supply contracts entered into under the import licence.

I (x) All payments must be completed within 4 months from the expiry of the import licence. Individual payments must be arranged upon shipment of goods. The contract should provide for payment on cash basis i.e. on presentation of shipping documents. No credit facility of any kind will be permitted to be availed of by the Indian importer from the Overseas supplier. The contract should provide for the period of delivery of goods as follows :

"..... Months after the receipt of Letter of Credit but to be completed latest by the end of"

In fixing the terminal date for shipment it should be noted that this date should not be beyond 31-12-91.

Section II—special points to be kept in view while negotiating supply contract

II (i) The FOB/C&F value of the contract should be expressed in Yen (Fraction of Yen should be omitted) and should exclude Indian Agent's commission, if any, which should be paid in Indian rupees.

In no circumstances the contract value should be expressed in Indian rupees or in any other currency. The purchase order and the supplier's order confirmation should be in English only.

II(ii) Procurement of all goods and services to be financed out of the proceeds of the loan shall be made in accordance with the guidelines for procurement under the loan with the following supplemental stipulations :—

(a) In case of procurement of goods and services of value estimated to be not less than 300 million Yen.

(i) Prior approval of OECF shall be obtained if it is proposed to adopt procurement procedure other than the Open International Tendering with Pre-qualification, submitting to OECF an application for approval of procurement method.

- (ii) Prior to issuing a notice of award to successful bidder, the application for approval of award with bid evaluation report shall be submitted to OECF for approval. Alongwith the above application for approval of award and bid evaluation, the evaluation report of pre-qualification, notices and instructions to bidders, bid form, proposed contract, specification and drawings and other documents related to bidding will also be submitted to OECF for its review.
- (b) In case of procurement of goods and services of value estimated to be less than Yen 300 million prior approval of OECF is not required for award of contract on the condition that tenders lots are divided reasonably. However, if OECF requests, the tender evaluation reports etc. will be submitted to OECF for its review.
- (c) When consulting firms are employed, such firms shall satisfy all of the following conditions.
- (i) A majority of the subscribed shares shall be held by nationals of the Eligible Source Countries.
- (ii) A majority of the full-time directors shall be nationals of the Eligible Source Countries.
- (iii) Such firms shall be incorporated and registered in the Eligible Source Countries.
- (d) Prior approval of OECF shall also be obtained of the following documents for employment of the consultants :—
- (i) Terms of Reference.
- (ii) Short List of Consultants.
- (iii) Letter of Invitation.
- (iv) Evaluation Report including summary Evaluation Sheet.
- (v) Draft Contract.
- (e) The following declaration as to the eligibility of the Consultant, signed and dated by the Consultant, shall be attached to each contract :
- "I, the undersigned, hereby certify that—
(name of firm) has been incorporated & registered in—(name of the Eligible Source Country concerned), and is an eligible consulting firm— per cent (%) of the subscribed shares being held by nationals of—
(name of the Eligible Source Countries concerned) and— per cent (%) of the fulltime directors being nationals of—(name of the Eligible Source Countries concerned)".
- (f) The application/documents mentioned in (a) (i), (a) (ii), (b) and (d) above will be submitted by the importer to

Deptt. of E.A., in duplicate, for submission to OECF.

II (iii) The payment to the overseas supplier should be arranged through an irrevocable letter of credit to be opened by the Bank of India, Tokyo in their favour under the OECF Yen Credit (Project Aid) No. ID-P. 42 for 1985-86 the details of which are given in Section VII below.

II(iv) Only one contract should be entered into against the import licence. In exceptional cases, more than one contract may be permitted to be entered into, for which prior approval of the Department of Economic Affairs (Japan Section), Ministry of Finance, should be obtained soon after the date of issue of the import licence.

II (v) Eligibility of Supplier

The Suppliers shall be nationals of the eligible source countries, or juridical persons incorporated and registered in eligible source countries and controlled by nationals of the eligible source countries.

II (vi) Permissible imports from non-eligible source countries

Financing of goods which contain materials originating from a non-eligible source country or countries may be made, provided that the imported portion is less than thirty per cent (30%) of the price per unit of such products in accordance with the following formulae :

$$\frac{\text{Imported CIF Price} + \text{Import Duty} \times 100}{\text{Supplier's FOB Price}}$$

(In case of Indian Supplier, Ex-factory Price shall be adopted).

II (viii) Declaration in Contract.

The following declaration as to the eligibility of the goods and supplier, signed and dated by the supplier, shall be added to each contract.

"I, the undersigned, hereby certify that the goods to be supplied are produced in—(name of eligible source country)".

I, the undersigned hereby certify that to the best of my information and belief, the portion imported from the non-eligible source countries is less than thirty per cent (30%) in accordance with the following formula :

$$\frac{\text{Imported CIF Price} + \text{Import Duty} \times 100}{\text{Supplier's FOB Price}}$$

(Where applicable Ex-factory Price)

"I, the undersigned, hereby certify that—
(Name of company) has been incorporated and registered in—(name of eligible source country), and is controlled by nationals of—
(name of eligible source countries concerned)".

Section III—Conditions to be incorporated in the supply Contracts

III (i) The following provisions should be specifically embodied in the supply contract :

- (a) The contract is arranged in accordance with the Loan Agreement between the Government of India and the Overseas Economic Cooperation Fund of Japan (OECF) dated the 18th March, 1987 concerning the Yen Credit No. ID-P. 42 (Project Aid) for the Assam Gas Turbine Power Station and Transmission Line Construction Project.
- (b) Payments to the Supplier shall be made through an irrevocable letter of Credit to be issued by the Bank of India, Tokyo, under the Loan Agreement No. ID-P. 42 dated 18-3-1987 between the Government of India and the Overseas Economic Corporation Fund of Japan (OECF).
- (c) The suppliers agree to furnish such information and documents as may be required under the Yen Credit arrangements by the Government of India on the one hand and the OECF on the other.
- (d) Certificates (triplicate) in the forms indicated in II (vi) above.
- (e) In case the supplier is located in Japan, the supply contract should contain a clause that the Japanese Supplier agrees to make shipping arrangements in consultation with the Embassy of India, Tokyo and that for this purpose he would keep the Embassy of India Tokyo, informed of the delivery schedule of the goods involved and notify the Embassy of India atleast six weeks in advance of the shipping required so that suitable arrangements could be made. In exceptional cases, where the Indian Importers require it, this period of notice may be reduced. The Japanese supplier should also agree to send a cable advice to the importer after each shipment giving the necessary details and a copy thereof should be sent to the Embassy of India, Tokyo.

Section IV.— Review of Contract by OECF

(i) within stipulated period for placement of firm orders the licensee should forward 4 copies of the contract duly signed by both the importer and the supplier supported by order confirmation in writing by the supplier or their photo copies complete in all respects, together with licence and two copies of the "Request for issue of L.A." in the form in Annexure II to the Department of Economic Affairs.

IV (ii) The above procedure will also apply to all contract amendments causing essential modifications to the contents of the contracts or in its price.

IV (iii) The Ministry of Finance (Deptt. of EA) will send Notice of conclusion of Contract alongwith a copy of the contract to OECF for its review. A copy each of the Notice of Conclusion of Contract accompanied by the contract will also be sent by

Department of E.A. to Embassy of India, Tokyo and office of CAA & A alongwith one copy each of "Request for issue of L.A." and photocopy of import licence.

Section V — Payment to the Overseas suppliers— Letter of Credit Procedure.

V. (i) On receipt of the Notice of Conclusion of contract and contract document from the Ministry of Finance, Department of Economic Affairs. The CAA&A will issue a letter of authorisation as in the form attached at Annexure-III addressed to the Tokyo Branch of the Bank of India for opening an irrevocable Letter of Credit as in the form attached at Annexure-IV (for imports) or Annexure-V (for services) in favour of the overseas supplier concerned. Copies of the Letter of Authorisation will be endorsed to the OECF, the Embassy of India, Tokyo, the importer's Bank in India, and Japan section, Department of Economic Affairs, Ministry of Finance.

V (ii) On receipt of the letter of authority, the Bank of India, Tokyo, will establish an irrevocable letter of credit as per Annexure-IV (applicable to imports) or V (applicable to services) in favour of the Overseas suppliers concerned and will also forward a copy of the same to the OECF, Embassy of India, Tokyo, the importer's bank in India and the CAA&A.

The above procedure of opening of letters of credit on the basis of the letters of authority from CAA&A would ipso facto apply to all such amendments to letter of authorisation/letter of credit as may become necessary due to contract amendment or otherwise.

V (iii) The overseas supplier shall, after effecting shipment of goods, present through his bankers the documents specified in the letter of credit to the Bank of India, Tokyo which will release the amount specified in the documents to the overseas supplier through his bankers and will thereafter obtain reimbursement of the said amount from the OECF.

V (iv) Banking charges payable to the Bank of India, Tokyo for opening the letter of credit, for negotiations thereunder and charges if any of overseas suppliers' bankers are to be borne by the importer/overseas suppliers. A letter of commitment will be issued by the OECF on receipt an amount equal to one-tenth per cent (0.1%) of the contract value. This amount will be paid to itself from the loan/funds by OECF.

The importer is required to deposit into the Govt. of India account the rupee equivalent of this letter of commitment charges on receipt of intimation of the payment from OECF or from the Controller of Aid Accounts, Ministry of Finance. Interest from the date of payment to OECF to the date of rupee deposit (both dates inclusive) at prevailing rates will also have to be paid by the importer.

A similar charge of 0.1% is payable by the importer under the reimbursement procedure also. Interest charges payable to the Bank of India, Tokyo

for the period counting from the date of payment of the cost of imports by them to the overseas suppliers to the date of reimbursement by the OECF, shall be settled by the concerned importers bank of India by remittance to the Bank of India, Tokyo through normal banking channels without affecting the Government of India's account.

V (v) Reimbursement Procedure.

Procedure for disbursement of the proceeds of the loan for the purchase of goods and services from Indian Suppliers shall be in accordance with REIMBURSEMENT PROCEDURE attached to the loan agreement.

Section VI — Responsibility for rupee deposit.

VI (i) The Bank of India, Tokyo will forward the negotiable shipping documents to the accredited bankers of importer as indicated in the Appendix to the relevant Letter of Authority and the bankers will in turn ensure that the rupee deposits are invariably made at RBI, New Delhi or S.B.I., Tis Hazari, Delhi before releasing the shipping documents. Interest charges on the rupee-equivalents of the Yen payments calculated at the rate prevailing from time to time, the present rate being 12% per annum for the first 30 days and 18% per annum for the period in excess thereof reckoned from the date of payment by the Bank of India, Tokyo to the Overseas Supplier to the date of actual rupee deposit, have also to be deposited alongwith the principal payment, in terms of Public Notice No. 31-ITC (PN) 83 dated 10-8-83. It should be noted that interest is chargeable for both the days i.e. the day on which payment is made to the Overseas Supplier and also the day on which rupee deposit is made in Government Account vide Public Notice No. 74-ITC (PN) 74 dated 31-5-1974 as modified under Public Notice No. 103-ITC (PN) 76 dated 12-10-76 and Public Notice No. 31-ITC (PN) 83 dated 10-8-83.

The importer should make separate arrangements to ascertain the amounts and dates of payments made to the supplier. Late or delayed receipt of shipping etc. documents by the importers Banker from Bank of India, Tokyo will not be acceptable as reason for waiver of partial or full amount of the interest due on the rupee deposits. The exchange rate to be adopted for computing the rupee equivalent of the Yen payments made to the overseas suppliers will be the composite rate of exchange applicable to the date of payment which will be worked out in accordance with the method prescribed in Public Notice No. 109-ITC (PN) 74 dated 3-8-1974 and 8-ITC (PN) 76 dated 17-1-1976 or as may be notified by Government from time to time through Public Notices of the CCI&E or through Exchange Control circulars of the Reserve Bank of India.

Any change in this regard as also in regard to the rate of interest will be notified as and when necessary. It will be the responsibility of the Indian Bank concerned to ensure that the amount due are correctly deposited into Government account before the import documents are handed over to the importers. The importer's should also ensure that the amounts due are correctly deposited into

Government account before taking delivery of the documents from their Bankers. It is the responsibility of the importer to ensure that the amount due are correctly deposited into the Government account promptly even when they obtain delivery of the goods from the customs authorities without original shipping documents under exceptional circumstances. In case the importers fail to deposit the amounts due to Government before taking delivery of goods, the issue of further IAS to him may be stopped and the matter reported to the CCI&E so that no further import licence is issued to such an importer. The Head of Account to which the above rupee deposits should be credited is "K-Deposits and Advances—843—Civil Deposits—Deposits for purchase etc. abroad—Purchase under Credits/Loan Agreements" Loans from the Government of Japan—30 Billion Yen credit No.-ID-P-42 for the Assam Gas Turbine Power Station and Transmission Line Construction Project.

VI (ii) The amount referred to above should be deposited in cash to the credit of the Government either in the Reserve Bank of India, New Delhi indicating Code No. 5130000009 on the right hand corner of the challan or State Bank of India, Tis Hazari, Delhi as contemplated in Public Notices No. 184-ITC (PN) 68 dated 30-8-1968, No. 233-ITC (PN) 68 dated 24-10-1968, No. 132-ITC (PN) 71 dated 5-10-1971, No. 74-ITC (PN) 74 dated 31-5-1974 and No. 103-ITC (PN) 76 dated 12-10-1976.

VI (iii) The concerned Bank in India shall also furnish such additional deposit in the same manner stipulated above as may be requested by the Government of India, Ministry of Finance, Department of Economic Affairs, on account of service charges within seven days after such a demand is made, by Ministry of Finance (Department of Economic Affairs). While filling in the various columns in the challan it should be ensured by the importers/their bankers that the information prescribed in para 2 of Public Notice No. 132-ITC (PN) 71 dated 5-10-1971 is invariably indicated in the column "full particulars of remittances and authority (if any)" of the challan. The following particulars should invariably be furnished in the treasury challans :—

- (a) Ministry of Finance letter of authority No. and date.
- (b) Amount of Yen currency in respect of which deposits are to be made together with rate of conversion adopted.
- (c) Date of payment to the overseas supplier.

Thereafter the Treasury Challans evidencing the rupee deposit should be sent by registered post to the CAA&A indicating reference to the letter of authorisation issued by him and also enclosing copies of the invoice and shipping documents.

Note :—Importer's Bank in India should ensure that the rupee deposits are invariably made within 10 days of the receipt of the advice of payments and negotiable shipping documents from the bank of India, Tokyo and that the CAA&A Ministry of Finance (DEA), New Delhi is kept informed of the fact immediately thereafter.

VI (iv) The concerned bank in India should also endorse the amount of rupee deposits on the exchange control copy of the licence and send the requisite "S" form to the Reserve Bank of India, Bombay.

Section VIII—Miscellaneous Provisions.

VIII (i) Reports on utilisation of the import licence.

The importer should send a monthly report, after the letter of credit has been opened regarding shipments and payments made there against and about the balance left, to the controller of Aid Accounts & Audit, Department of Economic Affairs, Ministry of Finance, UCO Bank building, Parliament Street, New Delhi.

VIII (ii) Notifying Suppliers of Special Conditions.

The licences should apprise the supplier of any special provisions in the import licence which may effect the suppliers in carrying out the transaction.

VIII (iii) Disputes.

It should be understood that the Government of India, will not undertake any responsibility for disputes, if any, that may arise between the licensee and the suppliers. The conditions to be fulfilled by the supplier before payment by the Bank of India, Tokyo must be clearly spelt out by the importer in Annexure-II under "Terms of Payment". Provisions dealing with settlement of disputes should be included in the conditions of contract.

VIII (iv) Future Instructions.

The licensee shall promptly comply with any directions, instructions or orders issued by the Government of India from time to time regarding any and all matters arising from or pertaining to the import licence and for meeting all obligations under the Yen Credit Agreement (Project Aid) No. ID-P-42 with the Overseas Economic Cooperation Fund of Japan (OECF).

VIII (v) Breach or violation.

Any breach or violation of the conditions set forth in the above clauses will result in appropriate action under the Imports and Exports (Control) Act.

VIII (vi) List of Annexures :

Annexure-I List of eligible source countries.

Annexure-II Request for issue of Letter of Authority.

Annexure-III Form of Letter of Authority.

Annexure-IV Form of Letter of Credit (Applicable to imports).

Annexure-V Form of Letter of Credit (Applicable to Services).

ANNEXURE I

LIST OF ELIGIBLE SOURCE COUNTRIES

A. Developing Countries and Territories

(a) Non-OPEC Developing Countries

I. AFRICA, North of Sahara

Egypt
Morocco
Tunisia

II. AFRICA, South of Sahara

Angola
Benin
Botswana
Burundi
Cameroon
Cameroon
Capé Verde Islands
Central African Rep.
Chad
Comoro Islands
Congo, People's Republic of
Dahomay
Equatorial Guinea (1)
Ethiopia
Gambia
Ghana
Guinea
Ivory Coast
Kenya
Lesotho
Liberia
Malagasy Republic
Malawi
Mali
Mauritania, Mauritius
Mozambique
Niger
Portuguese Guinea
Reunion
Rhodesia
Rwanda
St. Helena and dep (2)
Sao Tomo and Principe
Seengal
Seychelles
Sierra Leone
Somalia
Sudan
Swaziland
Terro, Afars and
Issas
Togo
Uganda
Un. Rep. of Tanzania
Upper Volta
Zaire Republic
Zambia

(1) Formerly the territory of Spanish Guinea, including the island of Fernando PO.

(2) Including the following islands : Ascension, Tristan da Inaccessibles, Nightingale, Gough.

(3) Main Islands, Aruba, Bonaire, Curacao, Saba, St.

III. AMERICA, North end Cont.

Bahamas
Barbados
Belize
Bermuda
Costa Rica
Cuba
Dominican Republic
El Salvador
Guadeloupe
Guatemala
Haiti
Honduras
Jamaica
Martinique
Mexico
Netherlands Antilles
Nicaragua
Panama
St. Pierre & Miquelon
Trinidad and Tobago

III. AMERICA, North & Central

West Indies (Br.) n.i.e.
(a) Associated States (1)
(b) Dependencies (2)

IV. AMERICA, South

Argentina
Bolivia
Brazil
Chile
Colombia
Falkland Islands
French Guiana
Guyana
Paraguay
Peru
Surinam
Uruguay

V. ASIA, Middle East

Bahrain
Israel
Jordan
Lebanon
Oman
Syrian Arab Republic
United Arab Emirates (3)
Yemen Arab Republic
Yemen, People's D. R. (4)

VI. ASIA, South

Afghanistan
Bangladesh

Bhutan
Burma
India
Maldives
Nepal
Pakistan
Sri Lanka

VII. ASIA, Far East

Brunei
Hong Kong
Khmer Republic
Korea, Republic of
Laos
Macao
Malaysia
Philippines
Singapore
Taiwan
Thailand
Timor
Viet-Nam, Rep. of
Viet-Nam, Dem. Rep.

VIII. OCEANIA

Cook Islands
Fiji
Gilbert & Ellice Is.
French Polynesia (5)
Nauru
New Caledonia
New Hebrides (Br. and Fr.)
Niue
Pacific Islands (US) (6)
Papua New Guinea
Solomon Islands (Br.)
Tonga
Wallis and Futuna
Western Samoa

1. Main Islands : Antigua, Dominica, Grenada, St. Kitts (St. Christopher), Nevis-Anguilla, St. Lucia and St. Vincent.
2. Main Islands : Montserrat, Cayman, Turks and Caicos, and British Virgin Islands.
3. Ajman, Dubai, Fujairah, Ras al Khaimah, Sharjah and Umm al Quaiwain.
4. Including Aden and various sultanates and emirates.
5. Comprising the Society Islands (including Tahiti) The Austral Islands, the Tuamotu-Gambier Group and the Marquesas Islands.
6. Trust Territory of the Pacific Islands : Caroline Islands, Marshall Islands, and Marine Islands (except Guam.)

IX. EUROPE

Cyprus
Gibraltar
Greece
Malta
Spain
Turkey
Yugoslavia

(a2) Member of Association Countries of OPEC

Algeria
Bolivia
Libyan Arab Republic
Gabon
Nigeria
Ecuador
Venezuela
Iran
Iraq
Kuwait
Qatar
Saudi Arabia
Abu Dhabi
Indonesia.

ANNEXURE II

REQUEST FOR ISSUE OF THE LETTER OF AUTHORITY

No. _____ Date : _____
To _____

The Controller of Aid Accounts & Audit,
Ministry of Finance,
Department of Economic Affairs,
UCO Bank Building, 1st Floor,
Parliament Street,
New Delhi 110001.

Sub : Import of _____ from _____ under
the Yen Credit No. ID-P, _____ (Project Aid
for 198 -8).

Sir,

In connection with the import _____
from _____ under the above mentioned Yen
Credit No. ID-P, _____ (Project Aid) we furnish
the following particulars to enable you to issue the
Letter of Authority to the _____ (name of
the Bank) which should be the same as given in (p)
below for opening a letter of credit in favour of
the overseas supplier concerned.

- (a) Name and Address of the Indian importer.
- (b) Number, date and value of the import licence and date upto which it is valid.
- (c) Method of procurement whether it is based on direct purchase or formal Open International tendering in which case it should be

indicated whether the contract has been awarded on the basis of technically suitable offer with reasons, if any.

- (d) Brief description of the goods.
- (e) Origin of the goods.
- (f) Percentage of the import components from non-eligible source countries, if any.
- (g) Gross FOB|C&F value of contract (in Yen).
- (h) Amount of Indian agents commission (in Yen), if any.
- (i) Net FOB|C&F value (in Yen) for which the Letter of Authority is required.
- (j) Number and date of the contract with overseas suppliers.
- (k) Name and address of the Overseas Supplier.
- (l) Payment terms and probable dates on which payments under the contract will fall due.
- (m) Expected date of completion of deliveries.
- (n) Documents to be presented at the time of payment to Bank of India, Tokyo (indicating No. of sets of each and their disposal).
- (o) Shipment instructions (indicate if trans-shipment|part-shipment permitted or not permitted).
- (p) Name and address of the importer's bank in India.
- (q) Whether a contract(s) under the same licence has been placed and notified to the Japanese authorities, and if so, the No., date and value of each such contract and the reference of the Ministry of Finance under which it has been notified to the OECF.
- (r) Whether the banking charges payable to Bank of India, Tokyo for operation and maintenance of Letter of Credit are to be borne by the Importers|or Supplier.
- (s) Undertaking by the importer :-

"We hereby undertake to make full and correct deposit of the rupee equivalent etc. of the payment made to the foreign supplier in the manner and at the rate prescribed by Government. The deposits will be made promptly before taking delivery of each consignment of the goods (material imported). In case of payments for services of foreign nationals, the deposits will be made as soon as the relevant invoices of the foreign suppliers are approved by us and the Payments made to the suppliers".

ANNEXURE III

(Letter of Authority Form)

No. F.
Government of India
Ministry of Finance
Department of Economic Affairs
New Delhi, the

To

The Bank of India,
Tokyo Branch
Tokyo (Japan)

Subject : Import under Yen Credit (Project Aid)
Loan Agreement No. ID-P. ——— Issue
of Letter of Authority for opening Letter
of Credit.

Dear Sirs,

In accordance with the terms and conditions of the agreement dated 25-8-80 entered into with your Bank, you are hereby authorized to open irrevocable Letter of Credit for an amount not exceeding Yen ——— favouring M/s. ——— as per attached details.

2. A copy each of the letter of credit opened by your Bank may be endorsed to the importer's Bank, to the OECF Embassy of India, Tokyo and to us.

3. Payments to the suppliers in terms of the letter of credit will be made initially out of your own funds. After payments, you must claim immediately reimbursements of the amounts paid by furnishing necessary documents to the OECF.

4. On making payment to the foreign supplier you should send to ——— (Name and address of the importers' Bankers) the original shipping documents (negotiable) as well as additional complete set of the documents and a copy of the debit advice for the payments made to the supplier including the down payment if any.

5. Interest charges payable to you, for the time lag between the date of payment by you to the supplier and the date of its reimbursement to you by the OECF, shall be settled by you with the concerned Importers bank in India through normal banking channels without affecting the Government of India's account. The other banking charges including those on account of opening, maintenance and for the operation of the Letter of Credit as also those connected with handling negotiating documents and charges of overseas suppliers bankers if any, are to be borne by the Overseas Supplier/Importer and may, therefore, be recovered from the Supplier/Importer directly. No reimbursement of such charges is to be claimed from the OECF.

6. As and when any payment is made by you and reimbursement is made to you, an advice in the prescribed form should be sent to this Ministry.

7. This Letter of Authority is intended for opening of L/C favouring the overseas suppliers. Subse-

quent amendments to L/C or further fresh L/Cs against this authorisation may not be acted upon in the absence of a specific authority from this Ministry.

8. This Letter of Authority will remain valid upto ———

9. Please quote the number given at the top of this letter of instructions in all correspondence relating to the contract and also in the advice showing payment.

Yours faithfully,
(Accounts Officer)

Copy forwarded to :—

1. Importer ——— with reference to their letter No. ——— dated ———.

They are requested to arrange to deposit through their Bankers, the rupee deposits etc. at the prescribed rate and manner, before taking delivery of the negotiable documents from the Bankers. In case due to exceptional circumstances delivery of goods is obtained directly from the Customs and Port authorities without furnishing the original shipping documents, the deposits should be made before taking the delivery. In the case of payments for services rendered by foreign nationals, the deposits should be made as soon as the relevant invoices are approved for payment. Failure to make the deposits promptly and correctly may entail action as mentioned in the Licensing Conditions.

2 (i) Importers' Bankers. . . . This has reference to import Licence No. ——— dt. ———. This letter of authorisation issued under the relevant licensing conditions governing the imports under Yen credit. The licensing conditions and connected Public Notice/order etc. may be referred to and appropriate action taken concerning the import/foreign payments.

2. (ii). They are requested to arrange to deposit the rupee equivalent of the Yen payment to the overseas suppliers on receipt of documents from the Bank of India, Tokyo Branch. The rupee equivalent of amounts disbursed to the suppliers will have to be calculated by applying the composite rate of conversion as prevailing on the date of payment to overseas suppliers in accordance with the Public Notice No. 8-ITC(PN)/76 dated 17-1-1976 or such other Public Notices as may be issued from time to time. Interest @12 per cent per annum for the first thirty days and at the rate of 18% per annum for period in excess thereof reckoned for the period between the date of payment to the supplier/date of reimbursements to Bank of India and the date on which the rupee equivalents are deposited into the Government Account is also required to be deposited into the Government of India Account in terms of Public Notice No. 31-ITC(PN) 83 dated 10-8-83. The interest is payable for both the days i.e. the day on which payment is made to the Overseas Suppliers and also the date on which rupee deposits is made into Government Account. (Any change in this rate will be intimated if and

when made.) It should be ensured that these deposits are made before the original set of import documents are handed over to the importer for Customs clearance.

These amounts should, be deposited either with the RBI, New Delhi indicating Code-No. 5130000009 on the right hand corner of the challan or the SBI, Tis Hazari, Delhi. In This connection, their attention is also invited to the provisions of the Public Notices No. 184-ITC (PN) 68 dated 30-8-68, 233-ITC (PN) 68 dated 24-10-1968, 132-ITC (PN) 71 dated 5-10-1971, No. 74-ITC (PN) 74 dated 31-5-1974 and No. 103-ITC (PN) 76 dated 12-10-1976. The head of account to be credited is "K-Deposits & Advances—843-Civil Deposits—Deposit for purchases etc. abroad under Purchases under Credit/Loan Agreements—Loans from the Government of Japan billion Yen Credit (Project Aid) No. ID-P— for 198 —8 :

One copy of the challan in original, in cases where the rupee equivalents are credited in cash at the RBI, New Delhi, or the SBI, Tis Hazari, Delhi as prescribed in Public Notice No. 132-ITC (PN) 71 dated 5-10-1971, should be sent by them to the address given below alongwith a forwarding letter giving full details of the advice notes received from the Bank of India, Tokyo Branch.

The Controller of Aid Accounts & Audit, Ministry of Finance (Department of Economic Affairs), 1st Floor UCO Bank Building, Parliament Street, New Delhi-1.

In cases where the rupee equivalents are remitted by means of demand drafts as laid down in the Public Notice dated 24-10-1968 mentioned above, intimations thereof should be sent to the address given above. In all cases full particulars of the rupee equivalents deposited should be furnished to this Department.

Interest charges payable to the Bank of India, Tokyo for the time lag between the date of payment to the supplier and the date of its reimbursement to the Bank of India, Tokyo by the OECF shall be settled directly by you with the Bank of India, Tokyo through normal banking channels without affecting the Government of India's account.

3. The Director, Loan Department-II, Overseas Economic Cooperation Fund, Takebashi Godo Building, 4-1, Ohtemachi 1-Chome, Chiyoda-Ku, Tokyo 100, Japan.

4. Embassy of India, Tokyo.

5. The Under Secretary, Japan Section, Ministry of Finance, Department of Economic Affairs, New Delhi.

Accounts Officer.

ANNEXURE-IV

Form OECF-LC-I

IRREVOCABLE LETTER OF CREDIT

(Applicable for goods)

To

Date :

This letter of Credit has been issued pursuant to Loan

Agreement No.

Dated

between (Borrower) and THE
OVERSEAS ECONOMIC COOPERATION FUND.

Dear Sirs,

We advise you that we have opened our irrevocable credit No. in your favour for account of for a sum or sums not exceeding an aggregate amount of (Say yen) available by your drafts at sight for full invoice value drawn on us, to be accompanied by the following documents :

Signed commercial invoice in full set of clean on board ocean bills of lading made out to order and blank endorsed and marked "Freight and Notify" Other documents

evidencing shipment of (breif description of goods to be shipped referring to Contract No. (if any) from to Partial shipments are permitted. Transshipment is permitted.

Bills of lading must be dated not later than.....

Drafts must be presented for negotiation not later than.....

All Drafts and documents under this credit must be marked.

"Drawn under.....irrevocable credit No. dated.....

and Import Reference No. (s).....(if any),

This credit is not transferable.

We hereby undertake that all drafts drawn under and in compliance with the terms of the credit shall be duly honoured on due presentations and delivery of documents to the drawee.

Unless otherwise expressly stated, this credit is subject to "Uniform Customs and Practice for Documentary Credits (1974 Revision), International Chamber of Commerce Brochure No. 290".

Special Instructions to the negotiating bank :

1. After obtaining the reimbursement for our payments from THE OVERSEAS ECONOMIC COOPERATION FUND in accordance with the provisions of the Letter of Commitment issued thereby under the above-mentioned Loan Agreement, we undertake to remit the amount of the drafts in accordance with instructions issued by the negotiating bank.
2. The negotiating bank must forward the drafts and one complete set of documents to us together with the certificate stating that the remaining documents have been airmailed direct to
3. All banking charges under this credit are for the account of importer/supplier.

Yours faithfully,

.....
(a commercial bank)

By :

.....
(Authorized Signature)

PAYMENT TERMS

This payment terms constitutes an integral part of our letter of Credit No.....

I. Initial Payment

Amount : Y

being.....% of the total contract price.

Required documents :

Latest presentation date :

II. Intermediate Payment (if any)

Amount : Y

being.....% of the total contract price.

Required documents :

Latest presentation date :

III. Payment against Shipping Documents

Amount : Y

being.....% of the total contract price.

Note : This attached sheet is not required in case of full payment against shipping documents.

ANNEXURE—V

Form OECF-LC II

Irrevocable Letter of Credit
(Applicable for Services)

Date :

To

.....

 (Name and address of the Supplier)

This Letter of Credit has been issued
 pursuant to Loan Agreement No.....
 dated
 between (Borrower) and
 THE OVERSEAS ECONOMIC
 COOPERATION FUND.

Dear Sirs,

We advise you that we have opened our irrevocable credit No.....in your
 favour for account of for a sum or sums not exceeding an aggregate amount of.....
 (Say Yen) available by beneficiary's drafts at sight for full Statement
 value drawn on us.

To be accompanied by the required documents, in accordance with the Payment Schedule attached hereto
 concerning (Contract No. with regard to.....Project).
 Drafts must be presented for negotiation not later than.

All drafts and documents must be marked "Drawn under irrevocable credit No."

This credit is not transferable.

We hereby undertake that all drafts drawn under and in compliance with the terms of the credit shall be
 duly honoured on due presentation and delivery of documents to the drawee.

Unless otherwise expressly stated, this credit is subject to "Uniform Customs and Practice for Documentary
 Credits (1974 Revision), International Chamber of Commerce Brochure No. 290".

Special instructions to the negotiating bank :

1. After receipt of the original Statement of Performance issued by (Borrower or its designated authority)
 in accordance with the form attached hereto, payment(s) under this credit must be made in accor-
 dance with the Payment Schedule stipulated in the sheet attached hereto. In case of the initial payments
 the beneficiary's Statement is required instead of the above mentioned Statement of Performance.
2. After obtaining the reimbursement for our payment from the OVERSEAS ECONOMIC
 COOPERATION FUND in accordance with the provisions of the Letter of Commitment issued
 thereby under the above-mentioned Loan Agreement, we undertake to remit the amount of the drafts
 in accordance with the instructions issued by the negotiating bank.
3. A copy of the documents as mentioned in item 1 above and the drafts shall be sent to us immediately
 after the receipt thereof.
4. All banking charges under this credit are for the account of the importer/supplier.

Yours faithfully,

.....
 (a commercial bank)

By :

.....
 (Authorized Signature)

PAYMENT SCHEDULE

This payment schedule constitutes an integral part of our Letter of Credit No.

I. Initial Payment

Amount : Y
 being % of the total contract price
 Required documents : beneficiary's Statement
 Latest presentation date :

II. Progress Payment

Aggregate amount : Y
 being % of the total contract price to
 be paid as follows :

	Amount due	Latest presentation
1st Instalment :	Y
2nd Instalment :	Y
.....
Required document :	A copy of State of Performance issued by (Borrower or its designated authority), a form of which is attached hereto.	

Statement of Performance

Date :

Ref. No.

To

.....
 (Name and address of the Supplier)

Re : Letter of Credit No. dated
 issued by
 for Y in favour of
 concerning
 Project under Loan Agreement No.

I, the undersigned, representing (Borrower), hereby issued a Statement of Performance to entitle
 to receive the sum of Y
 (Yen only) from THE OVERSEAS ECONOMIC COOPERATION FUND in
 accordance with the Payment Terms stipulated in the Contract No.
 dated between
 and

.....
 (Borrower)

By :

.....
 (Authorized Signature)

Special Instructions :

The details of the actual performance shall be stated in the sheet attached hereto.